CBSE Class 12 Hindi Core Question Paper 2023 with Solution PDF-Set 2/2/1

Question Paper with Solutions

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

निर्धारित समय: 3 Hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रश्न 2 में आंतरिक विकल्प दिया गया है; ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
(iii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।

1. राष्ट्रपिता, महात्मा गांधी सार्वजनिक और निजी स्वच्छता के प्रति चिंतित थे। दक्षिण अफ्रीका में बिताए दिनों के बाद से ही यह उनके सत्याग्रह अभियान का हिस्सा था। गांधी जी के लिए, समाज में स्वच्छता के लिए अभियान एक जाति विहीन और स्वस्थ समाज बनाने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग था। उन्होंने स्वच्छता को व्यक्तिगत जिम्मेदारी बनाने और इसे अस्पृश्यता को दूर करने की कुंजी मानने के अपने विचार को दोहराते हुए कहा था, "हर कोई अपना स्वयं का सफाई कर्ता है।" गांधी जी जब दक्षिण अफ्रीका में थे तभी से उन्होंने अपनी साफ-सफाई का काम स्वयं करना शुरू कर दिया था और भारतीयों को भी सलाह दी थी कि वे अपना शौचालय साफ और सूखा रखें। वे जब भारत लौटे, तो उन्होंने दृढ़ता से भारतीयों के लिए स्वच्छता और उन्हें स्वच्छता के प्रति शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

गांधी जी ने कहा था, "स्वच्छता स्वतंत्रता से अधिक महत्त्वपूर्ण है।" हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छता पर गांधी जी के विचारों से प्रेरणा ली और उनकी जयंती पर 'स्वच्छ भारत अभियान' शुरू किया। यह अभियान एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया और प्रधानमंत्री ने प्रत्येक भारतीय से इसमें शामिल होने और अपने आस-पास सफाई रखने का आग्रह किया।

इस राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान देने और स्वच्छता की बढ़ती चुनौतियों को दूर करने के लिए, स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण मंत्रालय ने एक बहु-आयामी कार्यनीति अपनाई और स्वच्छता तथा स्वास्थ्य में सुधार के लिए कई पहल कीं। 2015 के बाद से इसने विशेष रूप से स्वच्छता को अपने नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार लाने के अपने प्रयासों का केन्द्र बिंदु बनाया है। ये पहल अपने कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य संस्थानों और लोगों में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करती है और अन्य मंत्रालयों के साथ मिलकर इसे समग्रता से कार्यान्वित करती है।

स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण मंत्रालय की कायाकल्प पहल में सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में केन्द्र सरकार के संस्थानों और सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में बुनियादी ढाँचे में सुधार, स्वच्छता व स्वास्थ्यकारिता और संक्रमण-नियंत्रण कार्यों में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। स्वास्थ्य सुविधाओं का मूल्यांकन कई मानदंडों के आधार पर किया जाता है, और हर साल प्रत्येक स्तर पर अधिकतम अंक पाने वाले संस्थानों को कायाकल्प पुरस्कार प्रदान कर मान्यता दी जाती है। [10 अंक]

1(i). महात्मा गांधी की प्रमुख चिंता थी – [1 अंक]

(A) स्वच्छता

(B) सत्याग्रह

(C) जाति-पाँति

(D) छुआछूत

सही उत्तर: (A) स्वच्छता

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार गद्यांश में दिया गया स्पष्ट कथन और उसका प्रसंग है।
- मुख्य उद्देश्य, उससे जुड़े साधन तथा सीमित परिणाम में अंतर करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश का निर्णायक संकेत गद्यांश के आरंभ में गांधी जी को सार्वजनिक और निजी स्वच्छता के प्रति चिंतित बताया गया है। यही कथन प्रश्न में पूछी गई प्रमुख चिंता का सीधा प्रमाण है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच सत्याग्रह वह अभियान है जिसका स्वच्छता एक हिस्सा थी। जाति-पाँति और छुआछूत दूर करना स्वच्छता-अभियान के सामाजिक उद्देश्य हैं; वे यहाँ बताई गई मुख्य चिंता के स्थान पर नहीं आते।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: स्वच्छता।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ और व्यापक उद्देश्य तथा उसके छोटे लाभ में अंतर करें।

1(ii). प्रधानमंत्री द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरुआत कब की गई ? [1 अंक]

(A) स्वतंत्रता दिवस से

(B) गणतंत्र दिवस से

(C) गांधी जयन्ती से

(D) सद्भावना दिवस से

सही उत्तर: (C) गांधी जयन्ती से

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार गद्यांश में दिया गया स्पष्ट कथन और उसका प्रसंग है।
- मुख्य उद्देश्य, उससे जुड़े साधन तथा सीमित परिणाम में अंतर करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश का निर्णायक संकेत गद्यांश में स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री ने गांधी जी के विचारों से प्रेरणा लेकर उनकी जयंती पर स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया। अतः आरंभ के अवसर का उत्तर उसी वाक्य से मिलता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और सद्भावना दिवस में से किसी को भी अभियान के आरंभ का अवसर नहीं बताया गया है। किसी राष्ट्रीय अभियान को देखकर स्वतः स्वतंत्रता दिवस मान लेना उचित नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: गांधी जयन्ती से।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ और व्यापक उद्देश्य तथा उसके छोटे लाभ में अंतर करें।

1(iii). 'अस्पृश्यता' से आप क्या समझते हैं ? [1 अंक]

(A) जातीय भेदभाव

(B) वर्गीय भेदभाव

(C) आर्थिक भेदभाव

(D) सामाजिक भेदभाव

सही उत्तर: (A) जातीय भेदभाव

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार गद्यांश में दिया गया स्पष्ट कथन और उसका प्रसंग है।
- मुख्य उद्देश्य, उससे जुड़े साधन तथा सीमित परिणाम में अंतर करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश का निर्णायक संकेत गद्यांश में जातिविहीन समाज के निर्माण तथा अस्पृश्यता दूर करने की चर्चा साथ आती है। इस प्रसंग में अस्पृश्यता का अर्थ जाति के आधार पर किसी को अछूत मानकर उससे दूरी रखना है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच वर्गीय और आर्थिक भेदभाव क्रमशः वर्ग तथा धन की स्थिति पर आधारित हैं। सामाजिक भेदभाव व्यापक श्रेणी है; अस्पृश्यता की विशिष्ट जातिगत प्रकृति को जातीय भेदभाव अधिक सटीक व्यक्त करता है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: जातीय भेदभाव।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ और व्यापक उद्देश्य तथा उसके छोटे लाभ में अंतर करें।

1(iv). भारतीयों को स्वच्छता के प्रति शिक्षित करने की आवश्यकता क्यों पड़ी ? [1 अंक]

(A) स्वच्छता को लेकर सामाजिक भेदभाव के कारण

(B) भारतीयों द्वारा स्वच्छता के कार्य को हेय मानने के कारण

(C) स्वच्छता स्वयं का कार्य नहीं मानने के कारण

(D) स्वच्छता के महत्त्व को नहीं समझने के कारण

सही उत्तर: (D) स्वच्छता के महत्त्व को नहीं समझने के कारण

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार गद्यांश में दिया गया स्पष्ट कथन और उसका प्रसंग है।
- मुख्य उद्देश्य, उससे जुड़े साधन तथा सीमित परिणाम में अंतर करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश का निर्णायक संकेत गांधी जी ने भारत लौटकर स्वच्छता और उसके प्रति शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। स्वच्छता को स्वतंत्रता से भी अधिक महत्त्वपूर्ण कहना बताता है कि उसके महत्त्व का बोध कराना उनका प्रमुख उद्देश्य था।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच सामाजिक भेदभाव मिटाना अभियान का एक सामाजिक पक्ष है। सफाई को हेय मानना अथवा अपना कार्य न मानना संबंधित प्रवृत्तियाँ हो सकती हैं, पर प्रश्न में शिक्षा की व्यापक आवश्यकता का कारण स्वच्छता का महत्त्व न समझना है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (D) है: स्वच्छता के महत्त्व को नहीं समझने के कारण।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ और व्यापक उद्देश्य तथा उसके छोटे लाभ में अंतर करें।

1(ix). स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी जागरूकता की आवश्यकता क्यों है ? [1 अंक]

(A) बीमारियों से बचने के लिए

(B) जनता को जागरूक करने के लिए

(C) स्वस्थ समाज बनाने के लिए

(D) देश के विकास के लिए

सही उत्तर: (C) स्वस्थ समाज बनाने के लिए

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार गद्यांश में दिया गया स्पष्ट कथन और उसका प्रसंग है।
- मुख्य उद्देश्य, उससे जुड़े साधन तथा सीमित परिणाम में अंतर करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश का निर्णायक संकेत गद्यांश स्वच्छता को स्वस्थ समाज बनाने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग कहता है। मंत्रालय की पहल भी नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार से जोड़ी गई है; इसलिए जागरूकता का व्यापक उद्देश्य समाज को स्वस्थ बनाना है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच बीमारियों से बचाव इस व्यापक उद्देश्य का एक लाभ है। जनता को जागरूक करना प्रश्न की बात को ही दोहराता है, उद्देश्य नहीं समझाता। देश का विकास सामान्य परिणाम हो सकता है, किंतु यहाँ प्रत्यक्ष जोर स्वस्थ समाज पर है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: स्वस्थ समाज बनाने के लिए।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ और व्यापक उद्देश्य तथा उसके छोटे लाभ में अंतर करें।

1(v). 'स्वच्छता स्वतंत्रता से अधिक महत्त्वपूर्ण है' – कथन का आशय है – [1 अंक]

(A) स्वच्छता स्वतंत्रता का आधार

(B) स्वस्थ नागरिक से स्वतंत्रता

(C) स्वच्छता सबसे आवश्यक

(D) स्वच्छता से स्वास्थ्य

सही उत्तर: (C) स्वच्छता सबसे आवश्यक

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार गद्यांश में दिया गया स्पष्ट कथन और उसका प्रसंग है।
- मुख्य उद्देश्य, उससे जुड़े साधन तथा सीमित परिणाम में अंतर करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश का निर्णायक संकेत स्वच्छता को स्वतंत्रता से अधिक महत्त्वपूर्ण कहकर गांधी जी ने जीवन में उसकी अत्यंत ऊँची प्राथमिकता स्पष्ट की है। कथन का भाव स्वच्छता की अनिवार्यता पर जोर देना है, स्वतंत्रता प्राप्ति की प्रक्रिया बताना नहीं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच स्वच्छता स्वतंत्रता का आधार है और स्वस्थ नागरिक से स्वतंत्रता जैसे विकल्प ऐसी कारण-श्रृंखला जोड़ते हैं जो कथन में नहीं है। स्वच्छता से स्वास्थ्य लाभ होता है, पर यह विकल्प कथन में व्यक्त सर्वोच्च प्राथमिकता को पूरा नहीं बताता।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: स्वच्छता सबसे आवश्यक।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ और व्यापक उद्देश्य तथा उसके छोटे लाभ में अंतर करें।

1(vi). स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण मंत्रालय का संबंध है – [1 अंक]

(A) छोटे बच्चों के स्वास्थ्य से

(B) स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से

(C) भारत सरकार की योजनाओं से

(D) अस्पताल तथा कर्मचारियों से

सही उत्तर: (B) स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार गद्यांश में दिया गया स्पष्ट कथन और उसका प्रसंग है।
- मुख्य उद्देश्य, उससे जुड़े साधन तथा सीमित परिणाम में अंतर करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश का निर्णायक संकेत गद्यांश में मंत्रालय की बहुआयामी कार्यनीति का उद्देश्य स्वच्छता तथा स्वास्थ्य में सुधार बताया गया है। इसके कार्यक्रम स्वास्थ्य संस्थानों और लोगों में इन्हीं दोनों विषयों के प्रति जागरूकता पैदा करते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच छोटे बच्चों का स्वास्थ्य मंत्रालय के व्यापक कार्य का केवल एक संभावित अंश है। भारत सरकार की योजनाएँ बहुत व्यापक पद है, जबकि अस्पताल तथा कर्मचारी संस्थागत पक्ष तक सीमित हैं। कोई भी विकल्प स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जितना पूरा संबंध नहीं बताता।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (B) है: स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ और व्यापक उद्देश्य तथा उसके छोटे लाभ में अंतर करें।

1(vii). किसी भी देश में योजना बनाने का उद्देश्य होता है – [1 अंक]

(A) अधिकाधिक धन कमाना।

(B) संबंधित व्यक्तियों को लाभ पहुँचाना।

(C) देश के नागरिकों तक सुविधा पहुँचाना।

(D) लोगों को योजना के बारे में बताना।

सही उत्तर: (C) देश के नागरिकों तक सुविधा पहुँचाना।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार गद्यांश में दिया गया स्पष्ट कथन और उसका प्रसंग है।
- मुख्य उद्देश्य, उससे जुड़े साधन तथा सीमित परिणाम में अंतर करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश का निर्णायक संकेत गद्यांश की योजनाएँ नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार तथा स्वास्थ्य संस्थानों की सुविधाएँ बेहतर बनाने के लिए हैं। इससे स्पष्ट है कि सार्वजनिक योजना का उद्देश्य नागरिकों तक आवश्यक सुविधाएँ पहुँचाना है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच अधिकाधिक धन कमाना जनकल्याणकारी योजना का बताया हुआ लक्ष्य नहीं है। केवल संबंधित व्यक्तियों को लाभ पहुँचाना व्यापक नागरिक हित को सीमित करता है। लोगों को योजना बताना प्रचार या जानकारी देने का काम है, मूल उद्देश्य नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: देश के नागरिकों तक सुविधा पहुँचाना।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ और व्यापक उद्देश्य तथा उसके छोटे लाभ में अंतर करें।

1(viii). 'कायाकल्प पहल' योजना के अंतर्गत आने वाले कार्यक्रमों में इनमें से क्या सम्मिलित नहीं है ? [1 अंक]

(A) संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम

(B) स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम

(C) स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम

(D) शिक्षा संबंधी कार्यक्रम

सही उत्तर: (D) शिक्षा संबंधी कार्यक्रम

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार गद्यांश में दिया गया स्पष्ट कथन और उसका प्रसंग है।
- मुख्य उद्देश्य, उससे जुड़े साधन तथा सीमित परिणाम में अंतर करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश का निर्णायक संकेत कायाकल्प पहल के वर्णन में बुनियादी ढाँचे, स्वच्छता, स्वास्थ्यकारिता और संक्रमण-नियंत्रण में सुधार का उल्लेख है। इस सूची में शिक्षा संबंधी कार्यक्रम नहीं दिए गए हैं; प्रश्न उसी अनुपस्थित कार्यक्रम की पहचान चाहता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच संक्रमण नियंत्रण, स्वास्थ्य और स्वच्छता तीनों का संबंध कायाकल्प पहल के बताए हुए उद्देश्यों से है। गद्यांश में अन्यत्र स्वच्छता के प्रति शिक्षित करने की बात होने से सामान्य शिक्षा कार्यक्रम को इस विशिष्ट पहल का भाग नहीं मान सकते।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (D) है: शिक्षा संबंधी कार्यक्रम।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ और व्यापक उद्देश्य तथा उसके छोटे लाभ में अंतर करें।

1(x). स्वच्छता को आप किस प्रकार की जिम्मेदारी मानते हैं ? [1 अंक]

(A) सामूहिक

(B) पारिवारिक

(C) सामाजिक

(D) व्यक्तिगत

सही उत्तर: (D) व्यक्तिगत

हल:

अवधारणा:

- गांधी जी स्वच्छता को प्रत्येक व्यक्ति का अपना कर्तव्य मानते हैं।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत को आधार बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ का प्रमाण पहचानें गद्यांश में स्पष्ट कहा गया है कि गांधी जी ने स्वच्छता को व्यक्तिगत जिम्मेदारी बनाने का विचार दोहराया। उनका कथन, "हर कोई अपना स्वयं का सफाई कर्ता है, बताता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी सफाई का काम स्वयं करे।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें सामूहिक, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर स्वच्छता का लाभ अवश्य होता है, पर विकल्प (A), (B) और (C) इस अंश में व्यक्त मूल जिम्मेदारी को नहीं बताते। प्रश्न का निर्णायक शब्द व्यक्तिगत है; इसे केवल दूसरों या किसी समूह पर नहीं छोड़ा जा सकता।

चरण 3: निष्कर्ष स्वच्छता व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: जिम्मेदारी का प्रकार पहचानते समय "हर कोई अपना जैसे शब्दों पर ध्यान दें।

2(a). अलग नगर के कोलाहल से, अलग पुरी-पुरजन से
कठिन साधना में उद्योगी लगा हुआ तन-मन से।
निज समाधि में निरत, सदा निज कर्मठता में चूर,
वन्यकुसुम-सा खिला कर्ण, जग की आँखों से दूर।
नहीं फूलते कुसुम मात्र राजाओं के उपवन में,
अमित बार खिलते वे पुर से दूर कुञ्ज-कानन में।
समझे कौन रहस्य ? प्रकृति का बड़ा अनोखा हाल
गुदड़ी में रखती चुन-चुन कर बड़े कीमती लाल।
जलद-पटल में छिपा, किंतु रवि कब तक रह सकता है ?
युग की अवहेलना शूरमा कब तक सह सकता है ?
पाकर समय एक दिन आखिर उठी जवानी जाग,
फूट पड़ी सबके समक्ष पौरुष की पहली आग।
रंगभूमि में अर्जुन था सब समाँ अनोखा बाँधे
बढ़ा भीड़-भीतर से सहसा कर्ण शरासन साधे।
कहता हुआ, 'तालियों से क्या रहा गर्व में फूल ?
अर्जुन ! तेरा सुयश अभी क्षण में होता है धूल।'
तूने जो जो किया, उसे मैं भी दिखला सकता हूँ,
चाहे तो कुछ नयी कलाएँ भी सिखला सकता हूँ।
आँख खोलकर देख, कर्ण के हाथों का व्यापार
फूले सस्ता सुयश प्राप्त कर, उस नर को धिक्कार।। [5 अंक]

2(a)(i). काव्यांश में कठिन साधना में निरत किसे बताया गया है ? [1 अंक]

(A) कर्ण

(B) अर्जुन

(C) भीम

(D) दुर्योधन

सही उत्तर: (A) कर्ण

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में पात्र की पहचान उसके कर्म और नाम से की जाती है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत को आधार बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ का प्रमाण पहचानें आरंभिक पंक्तियों में नगर के कोलाहल से दूर तन-मन से कठिन साधना करने वाले व्यक्ति का वर्णन है। इसके तुरंत बाद "वन्यकुसुम-सा खिला कर्ण कहा गया है। इस स्पष्ट नामोल्लेख से साधना में निरत पात्र कर्ण सिद्ध होता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (B) अर्जुन रंगभूमि में अपनी कला दिखा रहा है; उसे यहाँ एकांत साधना करने वाला नहीं कहा गया। विकल्प (C) भीम और (D) दुर्योधन का इस वर्णन में नाम ही नहीं है। इसलिए इन तीनों के स्थान पर कर्ण का चुनाव पाठ के प्रत्यक्ष प्रमाण पर आधारित है।

चरण 3: निष्कर्ष कठिन साधना में निरत कर्ण है। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: पात्र की पहचान के लिए वर्णन के ठीक बाद आए नाम को उसके पहले के विशेषणों से जोड़ें।

2(a)(ii). प्रकृति का रहस्य समझ से परे क्यों होता है ? [1 अंक]

(A) शक्ति और सामर्थ्य से अलग घटना होने से

(B) प्रकृति में विद्यमान भिन्नताओं से

(C) प्रकृति के रहस्यों से अनजान रहने से

(D) मनुष्य का अपना सीमित सामर्थ्य होने से

सही उत्तर: (A) शक्ति और सामर्थ्य से अलग घटना होने से

हल:

अवधारणा:

- कविता में सामान्य अपेक्षा और वास्तविक प्रतिभा के अंतर से भावार्थ स्पष्ट होता है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत को आधार बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ का प्रमाण पहचानें कवि कहता है कि फूल केवल राजाओं के उपवन में नहीं खिलते; वे नगर से दूर वन में भी खिलते हैं। इसी प्रकार प्रकृति "गुदड़ी में कीमती लाल रखती है। अर्थात प्रतिभा वहाँ भी जन्म लेती है जहाँ बाहरी प्रतिष्ठा और साधन कम हों।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें इस अप्रत्याशित व्यवस्था को विकल्प (A) शक्ति और सामर्थ्य से अलग घटना होना व्यक्त करता है। (B) केवल भिन्नताओं का सामान्य उल्लेख है, (C) रहस्यों से अनजान होने की बात दोहराता है और (D) मनुष्य की सीमा बताता है। ये तीनों गुदड़ी में लाल मिलने के खास विरोधाभास को नहीं पकड़ते।

चरण 3: निष्कर्ष शक्ति और सामर्थ्य से अलग घटना होने से प्रकृति का रहस्य समझ से परे लगता है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: "गुदड़ी में लाल को साधनहीन परिस्थिति में असाधारण प्रतिभा मिलने के संकेत के रूप में पढ़ें।

2(a)(iii). जलद-पटल में छिपा, किंतु रवि कब तक रह सकता है – पंक्ति का भाव है – [1 अंक]

(A) बादल सूर्य को ढक नहीं सकता।

(B) प्रतिभा को छिपाया नहीं जा सकता।

(C) बादल रूपी चादर सूर्य को ढक लेती है।

(D) सूर्य शक्ति का प्रतीक है।

सही उत्तर: (B) प्रतिभा को छिपाया नहीं जा सकता।

हल:

अवधारणा:

- प्रतीकात्मक पंक्ति में सूर्य और बादल का संबंध उसके आसपास के कथ्य से समझना चाहिए।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत को आधार बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ का प्रमाण पहचानें रवि सूर्य है और जलद-पटल बादलों का आवरण है। बादल सूर्य को कुछ समय छिपा सकते हैं, सदा नहीं। अगली पंक्ति में शूरमा द्वारा युग की अवहेलना सहने की सीमा पूछी गई है; इसीलिए सूर्य यहाँ कर्ण की प्रतिभा और तेज का प्रतीक है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (B) इस आशय को व्यक्त करता है कि प्रतिभा को सदा छिपाया नहीं जा सकता। (A) बादल के कभी न ढक पाने का निरपेक्ष कथन है, जबकि पंक्ति अस्थायी छिपाव स्वीकारती है। (C) केवल बाहरी दृश्य बताता है और (D) सूर्य का सामान्य प्रतीकार्थ; दोनों पूरे प्रसंग का संदेश नहीं बताते।

चरण 3: निष्कर्ष पंक्ति का भाव है कि प्रतिभा को छिपाया नहीं जा सकता। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: रूपक का अर्थ चुनते समय अगली पंक्ति में आए "शूरमा को सूर्य के प्रतीक से जोड़ें।

2(a)(iv). कर्ण ने अर्जुन को क्यों ललकारा होगा ? [1 अंक]

(A) अपनी धनुर्विद्या दिखाने के लिए

(B) अपनी योग्यता बताने के लिए

(C) अर्जुन से अपने को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए

(D) समाज को अपनी कला दिखाने के लिए

सही उत्तर: (C) अर्जुन से अपने को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए

हल:

अवधारणा:

- प्रतिस्पर्धा और श्रेष्ठता सिद्ध करने की इच्छा को चुनौती के शब्दों से पहचानना चाहिए।
- उत्तर चुनते समय दिए गए काव्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाएँ।

चरण 1: पाठ का निर्णायक संकेत कर्ण अर्जुन से कहता है कि उसने जो किया है, वह भी कर सकता है और चाहे तो उसे कुछ नई कलाएँ भी सिखा सकता है। इससे केवल कला दिखाना नहीं, अर्जुन से आगे होने का दावा प्रकट होता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण अर्जुन के सुयश को क्षण में धूल कर देने की बात भी प्रतिस्पर्धा स्पष्ट करती है। (A) धनुर्विद्या दिखाना, (B) योग्यता बताना और (D) समाज को कला दिखाना सामान्य उद्देश्य हैं; चुनौती का विशेष उद्देश्य अर्जुन से श्रेष्ठ सिद्ध होना है।

चरण 3: निष्कर्ष कर्ण अर्जुन से अपने को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए उसे ललकारता है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: चुनौती के उद्देश्य के लिए नई कलाएँ सिखाने और सुयश को धूल करने वाले कथनों को साथ पढ़ें।

2(a)(v). कर्ण किस प्रकार के मनुष्य को धिक्कारता है ? [1 अंक]

(A) कायर मनुष्य को

(B) वीरता दिखलाने वाले को

(C) सस्ती लोकप्रियता वाले को

(D) अपनी प्रशंसा में रत रहने वाले को

सही उत्तर: (C) सस्ती लोकप्रियता वाले को

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश के अंतिम कथन में धिक्कार के कारण को पहचानना आवश्यक है।
- उत्तर चुनते समय दिए गए काव्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाएँ।

चरण 1: पाठ का निर्णायक संकेत कर्ण का कथन है कि सस्ता सुयश पाकर फूलने वाला व्यक्ति धिक्कार का पात्र है। सस्ता सुयश बिना पर्याप्त योग्यता या उपलब्धि के मिलने वाली वाहवाही और लोकप्रियता को सूचित करता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण इसलिए (C) सीधे कथन के अनुरूप है। (A) कायरता और (B) वीरता दिखाना यहाँ निंदा का कारण नहीं हैं। (D) अपनी प्रशंसा में रत रहने का अर्थ निकट लग सकता है, पर कथन में विशेष जोर सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करके अभिमान करने पर है।

चरण 3: निष्कर्ष कर्ण सस्ती लोकप्रियता से फूलने वाले मनुष्य को धिक्कारता है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: अंतिम पंक्ति के सस्ता सुयश शब्दों को विकल्पों में सस्ती लोकप्रियता से मिलाएँ।

अथवा

2(b). हो गया पूर्ण अज्ञातवास,
पांडव लौटे वन से सहास,
पावक में कनक-सदृश तप कर
वीरत्व लिए कुछ और प्रखर
नस-नस में तेज-प्रवाह लिये,
कुछ और नया उत्साह लिये।
सच है, विपत्ति जब आती है
कायर को ही दहलाती है,
शूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।
मुख से न कभी उफ कहते हैं,
संकट का चरण न गहते हैं,
जो आ पड़ता सब सहते हैं
उद्योग निरत नित रहते हैं
भूलों का मूल नसाने को
खुद बढ़ विपत्ति पर छाने को।
है कौन विघ्न ऐसा जग में
टिक सके वीर नर के मग में
खम ठोंक ठेलता है जब नर,

पर्वत के जाते पाँव उखड़।
मानव जब जोर लगाता है,
पत्थर पानी बन जाता है। [5 अंक]

2(b)(i). 'अज्ञातवास' का अर्थ है ? [1 अंक]

(A) वन में बसना
(B) गाँव में बसना
(C) अनजान स्थान पर रहना
(D) गुप्त रूप से रहना

सही उत्तर: (D) गुप्त रूप से रहना

हल:

अवधारणा:

- शब्द का अर्थ प्रसंग और उसके दोनों घटकों को जोड़कर निर्धारित करना चाहिए।
- उत्तर चुनते समय दिए गए काव्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाएँ।

चरण 1: पाठ का निर्णायक संकेत अज्ञात का अर्थ है जिसकी पहचान ज्ञात न हो और वास का अर्थ है रहना। अज्ञातवास में व्यक्ति अपनी पहचान छिपाकर रहता है, ताकि दूसरे उसे पहचान न सकें।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण (D) गुप्त रूप से रहना इस अर्थ को पूर्णतः व्यक्त करता है। (A) वन और (B) गाँव स्थान बताते हैं, पहचान छिपाने की शर्त नहीं। (C) अनजान स्थान पर रहना भी पर्याप्त नहीं, क्योंकि व्यक्ति किसी नए स्थान पर अपनी पहचान बताकर रह सकता है।

चरण 3: निष्कर्ष अज्ञातवास का अर्थ गुप्त रूप से रहना है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: अज्ञातवास का अर्थ निकालते समय स्थान की अपरिचितता के बजाय व्यक्ति की छिपी पहचान पर ध्यान दें।

2(b)(ii). पांडव वन से किस रूप में लौटे थे ? [1 अंक]

(A) कमजोर होकर
(B) दृढ़ होकर
(C) निर्विकार भाव से
(D) बदले की भावना से

सही उत्तर: (B) दृढ़ होकर

हल:

अवधारणा:

- कवि की उपमा बताती है कि कठिन परिस्थितियों का वीरों के व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ता है।
- उत्तर चुनते समय दिए गए काव्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाएँ।

चरण 1: पाठ का निर्णायक संकेत पांडव वन से सहास लौटते हैं। कवि उन्हें अग्नि में तपे सोने के समान बताता है तथा उनके वीरत्व को और प्रखर कहता है। उनकी नसों में तेज और मन में नया उत्साह है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण ये संकेत (B) दृढ़ होकर के अनुकूल हैं। (A) कमजोर होकर इसके विपरीत है। (C) निर्विकार भाव उत्साह और प्रखरता का अर्थ नहीं देता। (D) बदले की भावना का उल्लेख इन पंक्तियों में नहीं है; यहाँ कठिनाइयों के कारण बढ़ी दृढ़ता मुख्य है।

चरण 3: निष्कर्ष पांडव वन से अधिक दृढ़ होकर लौटे थे। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: अग्नि में तपे सोने की उपमा और प्रखर वीरत्व को पढ़कर लौटते पांडवों की मानसिक दृढ़ता पहचानें।

2(b)(iii). विपत्ति में किसे घबराहट होती है ? [1 अंक]

(A) कायर को

(B) कमजोर को

(C) साहसी को

(D) वीर को

सही उत्तर: (A) कायर को

हल:

अवधारणा:

- सीधे तथ्य वाले प्रश्न में वही विकल्प चुनना चाहिए जिसका स्पष्ट समर्थन काव्यांश करता हो।
- उत्तर चुनते समय दिए गए काव्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाएँ।

चरण 1: पाठ का निर्णायक संकेत कवि कहता है कि विपत्ति जब आती है तो कायर को ही दहलाती है। दहलाना का अर्थ भयभीत करना या घबराहट उत्पन्न करना है। अतः प्रश्न के घबराहट शब्द का सीधा संबंध इसी कथन से है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण (A) कायर को इसलिए सही है। (B) कमजोर को सामान्य अनुमान के आधार पर नहीं चुनेंगे, क्योंकि पाठ में कायर कहा गया है। (C) साहसी और (D) वीर को अगली पंक्तियाँ खारिज करती हैं: शूरमा विचलित नहीं होते और क्षणभर भी धैर्य नहीं खोते।

चरण 3: निष्कर्ष विपत्ति में कायर को घबराहट होती है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: घबराहट के लिए काव्यांश में प्रयुक्त दहलाती शब्द खोजें और उसके साथ आए कायर शब्द से उत्तर मिलाएँ।

2(b)(iv). 'पर्वत के जाते पाँव उखड़' – पंक्ति का भाव है [1 अंक]

(A) उत्साह का संचार होना

(B) कठिनाइयों का समाप्त होना

(C) अवरोध का सामने आना

(D) हिम्मत का समाप्त होना

सही उत्तर: (B) कठिनाइयों का समाप्त होना

हल:

अवधारणा:

- लाक्षणिक भाषा में पर्वत जैसे बिंब कठिन और बड़े अवरोधों को सूचित कर सकते हैं।
- उत्तर चुनते समय दिए गए काव्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाएँ।

चरण 1: पाठ का निर्णायक संकेत कवि पहले पूछता है कि वीर के मार्ग में कौन-सा विघ्न टिक सकता है। फिर मनुष्य के दृढ़ प्रयास से पर्वत के पाँव उखड़ने की बात कहता है। प्रसंग में पर्वत बाधा की विशालता का प्रतीक है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण इसका भाव है कि प्रयास के आगे बड़ी कठिनाइयाँ भी हट जाती हैं, इसलिए (B) उचित है। (A) उत्साह का संचार सहायक भावना है, पंक्ति का मुख्य अर्थ नहीं। (C) अवरोध का सामने आना उलटा अर्थ देता है। (D) हिम्मत समाप्त होना वीर

की विजय के विपरीत है।

चरण 3: निष्कर्ष पंक्ति का भाव कठिनाइयों का समाप्त होना है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: पर्वत को बड़ी बाधा और पाँव उखड़ने को उसका हट जाना मानकर लाक्षणिक अर्थ समझें।

2(b)(v). 'मानव जब जोर लगाता है' – पंक्ति में मनुष्य के किस प्रकार के गुण की ओर संकेत है ? [1 अंक]

(A) साहस

(B) शक्ति

(C) परिश्रम

(D) समर्पण

सही उत्तर: (C) परिश्रम

हल:

अवधारणा:

- कविता के भाव को पहचानने के लिए क्रिया और उसके परिणाम को एक साथ पढ़ना चाहिए।
- उत्तर चुनते समय दिए गए काव्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाएँ।

चरण 1: पाठ का निर्णायक संकेत मानव के जोर लगाने पर पत्थर के पानी बनने की बात उसके निरंतर प्रयास की प्रभावशीलता बताती है। काव्यांश में पहले भी उद्योग निरत नित रहते हैं कहकर लगातार श्रम करने की विशेषता दिखाई गई है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण इसलिए (C) परिश्रम सबसे उपयुक्त है। (A) साहस विपत्ति का सामना करने में सहायक है, पर जोर लगाना सक्रिय प्रयास पर बल देता है। (B) शक्ति को केवल शारीरिक बल तक सीमित करना भाव को अधूरा करता है। (D) समर्पण की अपेक्षा यहाँ श्रम से बाधा दूर करने का आशय प्रधान है।

चरण 3: निष्कर्ष इस पंक्ति में मनुष्य के परिश्रम के गुण की ओर संकेत है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: जोर लगाने को उद्योग निरत रहने से जोड़ें; दोनों में कठिनाई दूर करने वाला निरंतर परिश्रम प्रमुख है।

3(i). 'न्यूजपेग' से आप क्या समझते हैं ? [1 अंक]

(A) कथात्मक शैली में लेखन

(B) आलेख की तरह लेखन

(C) केस स्टडी प्रारूप में लेखन

(D) अन्य खबर से जोड़ कर लेखन

सही उत्तर: (D) अन्य खबर से जोड़ कर लेखन

हल:

अवधारणा:

- न्यूजपेग किसी विषय को किसी ताजा घटना या दूसरी खबर से जोड़ने वाला समाचार आधार है। इससे विषय की वर्तमान प्रासंगिकता स्पष्ट होती है।
- समाचार से जुड़ाव विषय को समसामयिक बनाता है; केवल कथा या अध्ययन की शैली इस जुड़ाव का विकल्प नहीं है।

चरण 1: सही आशय की पहचान यहाँ किसी लेखन की सामान्य शैली नहीं, खबर से संबंध स्थापित करने की तकनीक पूछी गई है। अन्य खबर से जोड़कर लेखन करना इसी आशय को व्यक्त करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच कथात्मक शैली घटना सुनाने का ढंग है, आलेख विचारप्रधान रचना है और केस स्टडी किसी विशिष्ट मामले का अध्ययन है। इसलिए (A), (B) और (C) न्यूजपेग की परिभाषा नहीं देते।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) अन्य खबर से जोड़ कर लेखन है।

त्वरित सुझाव: न्यूजपेग में विषय को ताजा खबर से जोड़ने वाले आधार को पहचानें।

3(ii). समाचार पत्रों को सामान्य समाचारों से अलग हटकर विशेष क्षेत्रों के बारे में जानकारी क्यों देनी पड़ती है ? [1 अंक]

(A) बाजार में टिके रहने के लिए

(B) सभी तरह के विषयों पर लेखन के लिए

(C) पाठकों की रुचियों के लिए

(D) विज्ञापन प्राप्त करने के लिए

सही उत्तर: (C) पाठकों की रुचियों के लिए

हल:

अवधारणा:

- पाठकों की रुचियाँ विविध होती हैं; वे सामान्य समाचारों के अतिरिक्त खेल, विज्ञान, व्यापार, शिक्षा और अन्य विशेष क्षेत्रों की जानकारी भी चाहते हैं।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: सही आशय की पहचान समाचार पत्र विशेष लेखन और विशेषीकृत रिपोर्टिंग के माध्यम से पाठकों की इन अलग-अलग रुचियों और जानकारी की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इसलिए प्रश्न का प्रत्यक्ष कारण पाठकीय रुचि है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच बाजार में टिकना और विज्ञापन पाना व्यावसायिक लाभ हो सकते हैं, लेकिन वे यहाँ जानकारी देने का मूल पाठक-केंद्रित कारण नहीं हैं। सभी विषयों पर लेखन कहना उद्देश्य को स्पष्ट नहीं करता। अतः (A), (B), (D) अनुपयुक्त हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) पाठकों की रुचियों के लिए है।

त्वरित सुझाव: विशेष क्षेत्रों की जानकारी देने का कारण पूछे जाने पर पाठकों की विविध रुचियों पर ध्यान दें।

3(iii). बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को पत्रकारिता जगत में किस नाम से बुलाते हैं ? [1 अंक]

(A) संवाददाता

(B) अंशकालिक पत्रकार

(C) पूर्णकालिक पत्रकार

(D) फ्रीलांस पत्रकार

सही उत्तर: (A) संवाददाता

हल:

अवधारणा:

- बीट किसी रिपोर्टर को सौंपा गया निश्चित क्षेत्र या विषय होता है, जिससे संबंधित खबरों का वह नियमित संकलन करता है।
- बीट विषय या क्षेत्र की जिम्मेदारी है, जबकि पूर्णकालिक और अंशकालिक शब्द नियुक्ति की अवधि बताते हैं।

चरण 1: सही आशय की पहचान ऐसे क्षेत्र की खबरें जुटाने और भेजने वाले रिपोर्टर को संवाददाता कहा जाता है। यह नाम समाचार संकलन के उसके कार्य को व्यक्त करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच अंशकालिक और पूर्णकालिक पत्रकार समय या नियुक्ति की प्रकृति बताते हैं। फ्रीलांस पत्रकार स्वतंत्र रूप से विभिन्न संस्थाओं के लिए काम करता है। इसलिए (B), (C), (D) बीट कवर करने वाले रिपोर्टर का अपेक्षित नाम नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (A) संवाददाता है।

त्वरित सुझाव: बीट को नियमित समाचार संकलन के क्षेत्र से जोड़ें और रिपोर्टर का कार्यगत नाम चुनें।

3(iv). संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय लेखन को माना जाता है – [1 अंक]

(A) संपादक की आवाज़

(B) पत्रकार की आवाज़

(C) अख़बार की आवाज़

(D) पाठक की आवाज़

सही उत्तर: (C) अख़बार की आवाज़

हल:

अवधारणा:

- संपादकीय में किसी महत्वपूर्ण विषय पर समाचार पत्र की संस्थागत नीति और दृष्टिकोण व्यक्त होते हैं।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: सही आशय की पहचान संपादकीय किसी एक लेखक का निजी वक्तव्य मात्र नहीं होता। संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित यह लेख अखबार की सामूहिक वैचारिक स्थिति प्रस्तुत करता है, इसलिए इसे अखबार की आवाज कहा जाता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच संपादक इसे लिख सकता है, पर इसकी पहचान उसकी निजी आवाज नहीं है। पत्रकार की आवाज किसी व्यक्तिगत रिपोर्ट या लेख में और पाठक की आवाज पाठकीय पत्रों में हो सकती है। इसलिए (A), (B), (D) अपेक्षित उत्तर नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) अख़बार की आवाज़ है।

त्वरित सुझाव: संपादकीय का लेखक कौन है, इसके बजाय उसमें किस संस्था का दृष्टिकोण व्यक्त है, यह देखें।

3(v). फीचर को किस प्रकार का लेखन माना जाता है ? [1 अंक]

(A) कथात्मक

(B) आत्मनिष्ठ

(C) वर्णनात्मक

(D) विवरणात्मक

सही उत्तर: (B) आत्मनिष्ठ

हल:

अवधारणा:

- फीचर तथ्याधारित होने पर भी लेखक की अनुभूति, दृष्टि, संवेदना और प्रस्तुति को स्थान देता है। इस कारण इसे आत्मनिष्ठ लेखन माना जाता है।
- आत्मनिष्ठ प्रस्तुति में लेखक की दृष्टि दिखाई देती है; कथन और वर्णन उसके लेखन के साधन हो सकते हैं।

चरण 1: सही आशय की पहचान समाचार में वस्तुनिष्ठ सूचना प्रमुख रहती है, जबकि फीचर में विषय का मानवीय पक्ष और लेखक की

रचनात्मक प्रस्तुति उभरते हैं। आत्मनिष्ठ का अर्थ तथ्यों को गढ़ना नहीं, उनके प्रस्तुतिकरण में निजी दृष्टि का समावेश है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच फीचर में कथा, वर्णन और विवरण आ सकते हैं, पर ये उसकी प्रस्तुति की तकनीकें हैं। कथात्मक, वर्णनात्मक और विवरणात्मक विकल्प उसकी विशिष्ट प्रकृति को आत्मनिष्ठ जितना स्पष्ट नहीं करते। इसलिए (A), (C), (D) नहीं चुने जाएँगे।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (B) आत्मनिष्ठ है।

त्वरित सुझाव: फीचर में लेखक की अनुभूति और दृष्टि की भूमिका देखकर उसकी प्रकृति पहचानें।

---

4. छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि:शेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष। [5 अंक]

4(i). काव्यांश में प्रयुक्त 'खेत' का अर्थ है – [1 अंक]

(A) जमीन
(B) कागज
(C) भाव
(D) शब्द

सही उत्तर: (B) कागज

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में कवि ने कविता की रचना प्रक्रिया को खेती के रूपक द्वारा समझाया है। खेत वास्तविक जमीन नहीं, लेखन का आधार है।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: सही आशय की पहचान कवि स्वयं कहता है, 'छोटा मेरा खेत चौकोना / कागज का एक पन्ना'। दोनों को साथ रखने से स्पष्ट है कि चौकोने खेत का आशय कागज के पन्ने से है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच जमीन खेत का सामान्य अर्थ है, लेकिन यहाँ रूपक का अर्थ पूछा गया है। भाव बीज के रूप में और शब्द अंकुर के रूप में आते हैं; इसलिए (A), (C), (D) खेत के उपयुक्त अर्थ नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (B) कागज है।

त्वरित सुझाव: रूपक का अर्थ निकालते समय कविता की अगली पंक्ति में दी गई सीधी पहचान देखें।

4(ii). 'कोई अंधड़ कहीं से आया' – पंक्ति में प्रयुक्त अंधड़ का अर्थ है – [1 अंक]

(A) तूफान

(B) धूल भरी आँधी

(C) भावों की आँधी

(D) कठिनाइयाँ

सही उत्तर: (C) भावों की आँधी

हल:

अवधारणा:

- रचना प्रक्रिया के रूपक में प्राकृतिक शब्द कवि के भीतरी भाव-जगत की स्थितियों को व्यक्त करते हैं। अंधड़ यहाँ अचानक उमड़ते भावों का संकेत है।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: सही आशय की पहचान 'कोई अंधड़ कहीं से आया' के बाद क्षण का बीज बोए जाने और कल्पना से उसके विकसित होने की बात है। इस क्रम में अंधड़ रचनात्मक आवेग, अर्थात भावों की आँधी है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच तूफान और धूल भरी आँधी इसके सामान्य भौतिक अर्थ हैं, लेकिन काव्यांश में खेत भी कागज है। कठिनाइयों का संकेत इन पंक्तियों में नहीं मिलता। इसलिए (A), (B), (D) संदर्भानुकूल नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) भावों की आँधी है।

त्वरित सुझाव: अंधड़ को अकेले शब्दार्थ से नहीं, भाव-बीज और कल्पना वाले पूरे रचना-प्रसंग से समझें।

4(iii). बीज का अस्तित्व किसके संसर्ग से गल गया ? [1 अंक]

(A) कल्पना

(B) धरती

(C) भाव

(D) कविता

सही उत्तर: (A) कल्पना

हल:

अवधारणा:

- भावना रूपी बीज कल्पना के संपर्क में आकर अपना आरंभिक स्वरूप खोता है और काव्य के रूप में विकसित होता है।
- कल्पना को रसायन कहना उस शक्ति का रूपक है जो मूल अनुभूति को काव्य में बदलती है।

चरण 1: सही आशय की पहचान निर्णायक पंक्तियाँ हैं, 'कल्पना के रसायनों को पी / बीज गल गया नि:शेष'। इनमें स्पष्ट रूप से कल्पना के रसायनों को पीने को बीज के गलने का कारण बताया गया है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच धरती वास्तविक खेती से जुड़ी है, जबकि यहाँ कागज का खेत है। भाव स्वयं बीज का संकेत है और कविता इस प्रक्रिया से तैयार होने वाली रचना है। इसलिए (B), (C), (D) उस संसर्ग का नाम नहीं हैं जिससे बीज गलता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (A) कल्पना है।

त्वरित सुझाव: किसके संसर्ग से जैसे कारणवाचक प्रश्न में उद्धृत पंक्ति के क्रिया-कारण संबंध को देखें।

4(iv). भावना रूप बीजों के गलने से क्या परिणाम मिला ? [1 अंक]

(A) कवि की मेहनत व्यर्थ हो गई

(B) धरती पर अंकुर फूट पड़े

(C) कवि पुन: कल्पना करने लगा

(D) शब्दों के अंकुर फूट पड़े

सही उत्तर: (D) शब्दों के अंकुर फूट पड़े

हल:

अवधारणा:

- बीज का गलना यहाँ विनाश या परिश्रम की विफलता नहीं, रचनात्मक रूपांतरण की प्रक्रिया है। भाव शब्दों में आकार लेते हैं।
- शब्द के अंकुर कविता की आरंभिक अभिव्यक्ति हैं; आगे पल्लव और पुष्प उसके विकसित सौंदर्य को व्यक्त करते हैं।

चरण 1: सही आशय की पहचान काव्यांश में 'बीज गल गया नि:शेष' के तुरंत बाद 'शब्द के अंकुर फूटे' आता है। अत: भावना रूपी बीज के गलने का प्रत्यक्ष परिणाम शब्दों के अंकुरों का फूटना है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच कवि की मेहनत व्यर्थ नहीं हुई, बल्कि रचना विकसित हुई है। धरती पर वास्तविक अंकुर नहीं फूटे हैं। पुन: कल्पना शुरू करने की बात भी नहीं कही गई। इसलिए (A), (B), (C) के बजाय शब्दों के उद्भव वाला विकल्प सही है।

चरण 3: निष्कर्ष अत: सही उत्तर (D) शब्दों के अंकुर फूट पड़े है।

त्वरित सुझाव: परिणाम पूछे जाने पर बीज गलने के ठीक बाद आने वाली पंक्ति को आधार बनाएँ।

4(v). 'कल्पना' को रसायन क्यों कहा गया है ? [1 अंक]

(A) सृजन को सुन्दर बनाने में सहायक

(B) सृजन को सरल बनाने में महत्त्वपूर्ण

(C) सृजन के विकास में सहायक तत्त्व

(D) सृजन का मूलभूत तत्त्व

सही उत्तर: (C) सृजन के विकास में सहायक तत्त्व

हल:

अवधारणा:

- कल्पना अनुभूति को रचना का रूप देने में सहायक होती है।
- उत्तर का चयन प्रश्न के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना के आधार पर करना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग का आधार पहचानें कविता में क्षण का बीज कल्पना के रसायनों को पीकर गलता है और उसके बाद शब्द के अंकुर फूटते हैं। इस क्रम में कल्पना भाव को विकसित करके शब्दों तथा काव्य-सौंदर्य में परिणत करती है।

चरण 2: रसायन की भूमिका विकास कराने की है जैसे रसायन बीज के परिवर्तन और वृद्धि में सहायक होता है, वैसे ही कल्पना भाव-बीज के सृजनात्मक विकास में सहायता देती है। अत: (C) पंक्तियों की पूरी प्रक्रिया को व्यक्त करता है। (A) केवल सुंदरता तक सीमित है; (B) में सरल बनाने की बात कविता में नहीं है। (D) कल्पना को मूल बीज बताता है, जबकि यहाँ क्षण की अनुभूति बीज है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: सृजन के विकास में सहायक तत्त्व।

त्वरित सुझाव: भाव-बीज, कल्पना और शब्द-अंकुर का क्रम देखकर प्रत्येक प्रतीक की भूमिका पहचानें।

5. बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई, उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। [5 अंक]

5(i). बाजार को जादू क्यों कहा गया है ? [1 अंक]

(A) आपूर्ति करने के कारण

(B) भ्रम पैदा करने के कारण

(C) बाज़ार की महिमा के कारण

(D) जरूरत पैदा करने के कारण

सही उत्तर: (B) भ्रम पैदा करने के कारण

हल:

अवधारणा:

- बाज़ार का रूप-आकर्षण वस्तुओं की वास्तविक आवश्यकता का भ्रम पैदा करता है।
- उत्तर का चयन प्रश्न के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना के आधार पर करना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग का आधार पहचानें अंश में बाज़ार का जादू आँख की राह काम करने वाला रूप का जादू कहा गया है। उसके प्रभाव में व्यक्ति को सभी चीजें जरूरी और आराम बढ़ाने वाली लगने लगती हैं। यह उपयोगिता का निष्पक्ष निर्णय नहीं, आकर्षण से उत्पन्न भ्रम है।

चरण 2: आकर्षण और उपयोगिता का भेद करें इसलिए (B) सही है। (A) में आपूर्ति बाजार का सामान्य कार्य है, जादू कहने का कारण नहीं। (C) केवल महिमा कहकर उसी बात को दोहराता है। (D) में वास्तविक जरूरत पैदा करने की बात है, जबकि गद्यांश बताता है कि अनावश्यक चीजें भी जरूरी मालूम होने लगती हैं।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (B) है: भ्रम पैदा करने के कारण।

त्वरित सुझाव: सभी सामान जरूरी मालूम होने और वास्तव में जरूरी होने के बीच का अंतर पहचानें।

5(ii). 'जादू की मर्यादा' से आप क्या समझते हैं ? [1 अंक]

(A) प्रभाव की सीमा

(B) जादू का असर

(C) रूप के समान

(D) निश्चित प्रभाव

सही उत्तर: (A) प्रभाव की सीमा

हल:

अवधारणा:

- मर्यादा का प्रसंगानुसार अर्थ प्रभाव की सीमा है।
- उत्तर का चयन प्रश्न के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना के आधार पर करना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग का आधार पहचानें लेखक चुंबक का उदाहरण देते हैं: उसका जादू केवल लोहे पर चलता है। इस तुलना से स्पष्ट है कि प्रत्येक आकर्षण हर वस्तु या हर व्यक्ति पर एक जैसा प्रभाव नहीं डालता; उसकी अपनी सीमा होती है।

चरण 2: अन्य अर्थों से तुलना करें बाजार का जादू भी मन की दशा से बँधा है। अतः (A) प्रभाव की सीमा सही अर्थ है। (B) जादू का

असर कहता है, उसकी सीमा नहीं बताता। (C) रूप के समान होना मर्यादा का अर्थ नहीं है। (D) निश्चित प्रभाव भी उस सीमा को व्यक्त नहीं करता जिसे चुंबक और लोहे की तुलना स्पष्ट करती है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: प्रभाव की सीमा।

त्वरित सुझाव: कठिन शब्द का अर्थ चुनते समय उसके ठीक पहले दिए गए उदाहरण से अर्थ की पुष्टि करें।

5(iii). बाजार का असर कब अधिक होता है ? [1 अंक]

(A) जेब और मन खाली होने पर

(B) जेब और मन भरे होने पर

(C) जेब भरी और मन खाली होने पर

(D) जेब खाली और मन भरे होने पर

सही उत्तर: (C) जेब भरी और मन खाली होने पर

हल:

अवधारणा:

- खाली मन आकर्षण स्वीकारता है और भरी जेब खरीदने की शक्ति देती है।
- उत्तर का चयन प्रश्न के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना के आधार पर करना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग का आधार पहचानें गद्यांश में स्पष्ट कहा गया है कि जेब भरी और मन खाली होने पर जादू का असर खूब होता है। मन खाली होने का आशय अपनी जरूरतों की स्पष्ट समझ से रहित होना है; ऐसा मन अनेक वस्तुओं के निमंत्रण में उलझ जाता है।

चरण 2: दोनों आवश्यक स्थितियों को मिलाएँ धन उपलब्ध होने से इस आकर्षण के अनुसार खरीदना भी संभव हो जाता है। इसलिए (C) सही है। (A) में धन की कमी है। (B) में मन भरा होने से आकर्षण पर नियंत्रण है। (D) में मन भरा है तथा जेब खाली है, इसलिए वह अधिक प्रभाव वाली स्थिति नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: जेब भरी और मन खाली होने पर।

त्वरित सुझाव: प्रश्न में अधिक शब्द देखें और गद्यांश के असर खूब होता है वाले वाक्य से दोनों शर्तें मिलाएँ।

5(iv). मन खाली और जेब भरी होने पर बाजार का प्रभाव कैसा होता है ? [1 अंक]

(A) सहयोगी

(B) उपहासक

(C) मर्यादित

(D) विनाशक

सही उत्तर: (D) विनाशक

हल:

अवधारणा:

- विवेकहीन आकर्षण अनावश्यक खरीद और धन के अपव्यय की ओर ले जाता है।
- उत्तर का चयन प्रश्न के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना के आधार पर करना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग का आधार पहचानें अंश में खाली मन वाला व्यक्ति अनेक वस्तुओं के निमंत्रण को स्वीकार करता है। जेब भरी होने पर वह यह भी लूँ, वह भी लूँ सोचता है और सभी सामान को जरूरी मान लेता है। इससे आवश्यकता के अनुसार चुनाव करने की क्षमता घट

जाती है।

चरण 2: प्रभाव का मूल्यांकन करें इस स्थिति का प्रभाव धन और संयम के लिए विनाशक है, इसलिए (D) उपयुक्त है। (A) सहयोगी नहीं, क्योंकि वास्तविक जरूरत का विवेक नहीं बढ़ता। (B) उपहासक का अर्थ हँसी उड़ाने वाला है, जिसका प्रसंग नहीं है। (C) मर्यादित भी नहीं, क्योंकि इसी अवस्था में जादू का असर खूब होता है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (D) है: विनाशक।

त्वरित सुझाव: प्रभाव पूछे जाने पर आकर्षण के परिणाम देखें: जरूरत से हटकर खरीद और धन का अपव्यय।

5(v). बाजार का सभी सामान उपयोगी लगने के क्या कारण हो सकते हैं ? [1 अंक]

(A) जादू का असर

(B) सामान की कमी

(C) सब कुछ खरीदने की इच्छा

(D) संतुलित मन के कारण

सही उत्तर: (A) जादू का असर

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश किसी वस्तु की प्रतीत होने वाली उपयोगिता और वास्तविक आवश्यकता में अंतर करता है।
- उत्तर का चयन प्रश्न के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना के आधार पर करना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग का आधार पहचानें लेखक बताते हैं कि आकर्षण में फँसा व्यक्ति यह भी लूँ, वह भी लूँ सोचता है। उसे सभी सामान जरूरी और आराम बढ़ाने वाला लगता है। इसके तुरंत बाद लेखक इस पूरी अनुभूति को जादू का असर कहते हैं।

चरण 2: कारण को परिणाम से अलग करें इसलिए (A) सही है। (B) सामान की कमी का उल्लेख अंश में नहीं है। (C) सब कुछ खरीदने की इच्छा इसी जादू का परिणाम है; लेखक द्वारा दिया गया मूल कारण नहीं। (D) संतुलित मन के कारण कहना उलटा है, क्योंकि यह प्रभाव खाली मन पर होता है, संतुलित तथा जरूरतों से परिचित मन पर नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: जादू का असर।

त्वरित सुझाव: कारण के प्रश्न में लेखक का स्पष्ट निर्णय चुनें; खरीदने की इच्छा को मूल कारण न मानें।

6(i). पंतजी अपनी घड़ी रोजाना सुबह-शाम रेडियो समाचारों से मिलाते हैं – पंक्ति से यह पता चलता है कि पंतजी _____ [1 अंक]

(A) समय के पाबंद हैं।

(B) की घड़ी पुरानी है।

(C) का मन दफ्तर में नहीं लगता।

(D) खाली बैठे रहते हैं।

सही उत्तर: (A) समय के पाबंद हैं।

हल:

अवधारणा:

- नियमित व्यवहार से पात्र की आदत और व्यक्तित्व का संकेत मिलता है।

- उत्तर का चयन प्रश्न के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना के आधार पर करना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग का आधार पहचानें पंतजी घड़ी का समय रोज सुबह और शाम रेडियो समाचारों से मिलाते हैं। समाचार प्रसारण का निश्चित समय उनके लिए अपनी घड़ी को सही रखने का आधार है। इस नियमित सावधानी से समय को महत्त्व देने की उनकी प्रवृत्ति प्रकट होती है।

चरण 2: विकल्पों की प्रासंगिकता जाँचें इसलिए (A) समय के पाबंद हैं सही है। (B) में घड़ी पुरानी होने का निष्कर्ष दिया है, पर पंक्ति में घड़ी की उम्र नहीं बताई गई। (C) दफ्तर में मन न लगने और (D) खाली बैठे रहने का भी कोई प्रमाण नहीं है। घड़ी मिलाना यहाँ अनुशासन का संकेत है, निष्क्रियता का नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: समय के पाबंद हैं।

त्वरित सुझाव: चरित्र संबंधी प्रश्न में दिए गए व्यवहार से सीधे सिद्ध गुण चुनें; अनकही परिस्थितियाँ न जोड़ें।

6(ii). यशोधर बाबू पहले साइकिल से ऑफिस आते थे अब पैदल आने लगे हैं, क्योंकि [1 अंक]

(A) घर से ऑफिस पास है।

(B) उनके बच्चों को साइकिल पसंद नहीं।

(C) पिता को साइकिल पर देखना बच्चों को पसंद नहीं।

(D) अब वे साइकिल नहीं चला पाते।

सही उत्तर: (C) पिता को साइकिल पर देखना बच्चों को पसंद नहीं।

हल:

अवधारणा:

- कहानी में पीढ़ियों के जीवन-मूल्य और सामाजिक प्रतिष्ठा के विचार अलग हैं।
- उत्तर का चयन प्रश्न के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना के आधार पर करना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग का आधार पहचानें यशोधर बाबू सादगी और पुराने जीवन-मूल्यों में विश्वास रखते हैं। उनके बच्चों की आधुनिक प्रतिष्ठा-संबंधी सोच के कारण उन्हें अपने पिता का साइकिल पर कार्यालय जाना अच्छा नहीं लगता। इस असहमति के बाद यशोधर बाबू साइकिल छोड़कर पैदल जाने लगते हैं।

चरण 2: कारण का सटीक चयन करें अत: (C) सही है, जिसमें पिता को साइकिल पर देखने के प्रति बच्चों की आपत्ति बताई गई है। (B) केवल साइकिल के प्रति सामान्य नापसंदगी कहता है, जबकि प्रसंग पिता की सामाजिक छवि से जुड़ा है। (A) कार्यालय की निकटता तथा (D) साइकिल चलाने की असमर्थता इस बदलाव के बताए गए कारण नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: पिता को साइकिल पर देखना बच्चों को पसंद नहीं।

त्वरित सुझाव: करीबी विकल्पों में सामान्य नापसंदगी और प्रसंग में बताई गई विशेष आपत्ति का अंतर देखें।

6(iii). यशोधर बाबू की पत्नी पारंपरिक होते हुए भी किस कारण से आधुनिक हो गई हैं ? [1 अंक]

(A) यशोधर बाबू से अलग सोच रखने से

(B) समय के साथ खुद को बदलने से

(C) आधुनिकता में आनंद आने से

(D) बच्चों के प्रति मातृसुलभ मजबूरी से

सही उत्तर: (D) बच्चों के प्रति मातृसुलभ मजबूरी से

हल:

अवधारणा:

- प्रश्न पाठ के विशिष्ट प्रसंग और उसके सही तथ्य की पहचान पर आधारित है।
- उत्तर चुनते समय कथाकार के स्पष्ट संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व देना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग की पहचान यशोधर बाबू की पत्नी मूल संस्कारों से परंपरागत हैं। बच्चों के प्रति स्नेह और उनकी तरफदारी करने की मातृसुलभ मजबूरी उन्हें आधुनिक व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करती है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (A) में पति से अलग सोच को कारण बनाया गया है, जबकि पाठ का बल मातृत्व पर है। (B) सामान्य समयानुकूल परिवर्तन बताता है और (C) आधुनिकता के आनंद को कारण मानता है; ये कथाकार द्वारा बताया गया विशिष्ट कारण नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (D) है — बच्चों के प्रति मातृसुलभ मजबूरी से

त्वरित सुझाव: पत्नी के बाहरी आधुनिक व्यवहार और उसके पीछे मौजूद मातृस्नेह को अलग-अलग पहचानें।

6(iv). गाँव भर में लेखक का कोल्हू सबसे पहले शुरू क्यों होता था ? [1 अंक]

(A) ईख तैयार होने से

(B) भाव अधिक लेने के लिए

(C) ईख अधिक होने से

(D) बाज़ार में जल्दी गुड़ भेजने के लिए

सही उत्तर: (B) भाव अधिक लेने के लिए

हल:

अवधारणा:

- प्रश्न पाठ के विशिष्ट प्रसंग और उसके सही तथ्य की पहचान पर आधारित है।
- उत्तर चुनते समय कथाकार के स्पष्ट संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व देना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग की पहचान दादा को आशा थी कि सबसे पहले कोल्हू चलाकर गुड़ बेचने पर अच्छी कीमत मिलेगी। बाद में गाँव भर के कोल्हू चलने से बाज़ार में गुड़ की अधिकता हो जाती थी और भाव गिर जाते थे।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (A) में ईख तैयार होने और (C) में ईख अधिक होने को कारण बताया गया है; पाठ का निर्णायक कारण ऊँचा भाव है। (D) जल्दी बाज़ार पहुँचने का साधन बताता है, जबकि प्रश्न का अभिप्रेत आर्थिक उद्देश्य अधिक कीमत पाना है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (B) है — भाव अधिक लेने के लिए

त्वरित सुझाव: पहले कोल्हू, कम गुड़ की आपूर्ति और अधिक भाव का क्रम जोड़कर सही कारण चुनें।

6(ix). अजायबघर में प्रदर्शित चीजों में कौन सी चीजें नहीं मिली हैं ? [1 अंक]

(A) हथियार

(B) बरतन

(C) औजार

(D) सूई

सही उत्तर: (A) हथियार

हल:

अवधारणा:

- प्रश्न पाठ के विशिष्ट प्रसंग और उसके सही तथ्य की पहचान पर आधारित है।
- उत्तर चुनते समय कथाकार के स्पष्ट संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व देना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग की पहचान अजायबघर के वर्णन में लेखक औजारों की उपस्थिति और हथियारों की अनुपस्थिति का स्पष्ट अंतर करता है। दैनिक जीवन और श्रम की वस्तुएँ हैं, लेकिन युद्ध के हथियार प्रदर्शित नहीं हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (B) बरतन तथा (C) औजार वहाँ प्राप्त वस्तुओं में सम्मिलित हैं। (D) सूई भी गलत है, क्योंकि पाठ में अजायबघर की सुइयों का उल्लेख मिलता है। इसलिए अनुपस्थित वस्तु की पहचान हथियार के रूप में होती है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है — हथियार

त्वरित सुझाव: नहीं मिली वस्तु पूछने पर औजार और हथियार का अंतर याद रखें; दोनों को समान न समझें।

6(v). देसाई के बाड़े का बुलावा दादा के लिए सम्मान की बात थी, क्यों ? [1 अंक]

(A) वह ऊँची जाति का था।

(B) गाँव का सम्मानित व्यक्ति था।

(C) उनकी जमीन जोतता था।

(D) उनसे कर्ज लिया था।

सही उत्तर: (B) गाँव का सम्मानित व्यक्ति था।

हल:

अवधारणा:

- प्रश्न पाठ के विशिष्ट प्रसंग और उसके सही तथ्य की पहचान पर आधारित है।
- उत्तर चुनते समय कथाकार के स्पष्ट संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व देना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग की पहचान दत्ता जी राव देसाई गाँव के प्रभावशाली और सम्मानित व्यक्ति थे। दादा उनके बुलावे को प्रतिष्ठा का विषय समझते थे और तुरंत उनके यहाँ जाने के लिए उठ खड़े हुए।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (A) में जाति को आधार बनाया गया है, लेकिन प्रसंग सामाजिक सम्मान और प्रभाव का है। (C) जमीन जोतने के संबंध को और (D) कर्ज को कारण मानते हैं; ये बुलावे को सम्मान मानने का उपयुक्त स्पष्टीकरण नहीं देते।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (B) है — गाँव का सम्मानित व्यक्ति था।

त्वरित सुझाव: दादा का तुरंत उठ खड़ा होना देसाई की सामाजिक प्रतिष्ठा का संकेत है; उसी आधार पर विकल्प चुनें।

6(vi). 'अब मळा के सभी काम बीत गए हैं' – पंक्ति में प्रयुक्त 'मळा' का क्या अर्थ है ? [1 अंक]

(A) खेती

(B) पानी

(C) बाग

(D) फसल

सही उत्तर: (A) खेती

हल:

अवधारणा:

- प्रश्न पाठ के विशिष्ट प्रसंग और उसके सही तथ्य की पहचान पर आधारित है।
- उत्तर चुनते समय कथाकार के स्पष्ट संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व देना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग की पहचान प्रसंग में लेखक माँ से कहता है कि मळा के सभी काम समाप्त हो गए हैं और अब उसे पढ़ाई फिर शुरू करनी चाहिए। यहाँ मळा का आशय खेती अथवा खेत के काम से है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (B) पानी खेती में प्रयुक्त होता है, पर वह मळा का अर्थ नहीं है। (C) बाग इस प्रसंग का अर्थ नहीं देता। (D) फसल खेती का उत्पाद है; शब्द का आशय केवल उपज नहीं, खेती और उससे जुड़े काम हैं।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है — खेती

त्वरित सुझाव: शब्द का अर्थ उसी वाक्य और पढ़ाई के लिए समय मिलने वाले प्रसंग से तय करें।

6(vii). 'मंत्री' नामक शिक्षक क्या पढ़ाते थे ? [1 अंक]

(A) विज्ञान

(B) साहित्य

(C) इतिहास

(D) गणित

सही उत्तर: (D) गणित

हल:

अवधारणा:

- प्रश्न पाठ के विशिष्ट प्रसंग और उसके सही तथ्य की पहचान पर आधारित है।
- उत्तर चुनते समय कथाकार के स्पष्ट संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व देना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग की पहचान लेखक की पाठशाला में मंत्री नामक शिक्षक गणित पढ़ाते थे। कक्षा में प्रश्न हल करना और विद्यार्थियों के सही उत्तरों की जाँच इसी गणित-शिक्षण के प्रसंग से संबंधित है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (A) विज्ञान और (C) इतिहास मंत्री मास्टर के पढ़ाए विषय नहीं हैं। (B) साहित्य भी उनका विषय नहीं है; कविता और साहित्य के प्रति लेखक की रुचि का संबंध सौंदलगेकर मास्टर के प्रसंग से है। शिक्षक और विषय का सही मेल आवश्यक है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (D) है — गणित

त्वरित सुझाव: मंत्री मास्टर को गणित और सौंदलगेकर मास्टर को कविता के प्रसंग से जोड़कर याद करें।

6(viii). मुअनजो-दड़ो में अब खुदाई क्यों बद कर दी गई है ? [1 अंक]

(A) दलदल की समस्या के कारण

(B) कुछ नहीं मिलने के कारण

(C) अवशेष की उम्मीद नहीं होने से

(D) मौजूद खंडहर बचाने के लिए

सही उत्तर: (A) दलदल की समस्या के कारण

हल:

अवधारणा:

- प्रश्न पाठ के विशिष्ट प्रसंग और उसके सही तथ्य की पहचान पर आधारित है।
- उत्तर चुनते समय कथाकार के स्पष्ट संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व देना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग की पहचान पाठ में बताया गया है कि सिंधु के पानी के रिसाव से क्षार और दलदल की समस्या उत्पन्न हो गई है। इसी परिस्थिति में मुअनजो-दड़ो की खुदाई रोक दी गई है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (B) कुछ नहीं मिलने और (C) आगे अवशेष की उम्मीद न होने का दावा पाठ नहीं करता। (D) मौजूद खंडहरों को बचाना एक बड़ी चुनौती अवश्य है, लेकिन खुदाई बंद होने का प्रत्यक्ष भौतिक कारण रिसाव से पैदा हुई दलदल की समस्या है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है — दलदल की समस्या के कारण

त्वरित सुझाव: खुदाई रुकने का प्रत्यक्ष कारण पूछने पर पानी का रिसाव, क्षार और दलदल की कड़ी याद करें।

6(x). छोटे टीलों पर बनी बस्तियों को कहा गया है ? [1 अंक]

(A) गढ़

(B) रईसों की बस्ती

(C) नीचा नगर

(D) सचिवालय

सही उत्तर: (C) नीचा नगर

हल:

अवधारणा:

- प्रश्न पाठ के विशिष्ट प्रसंग और उसके सही तथ्य की पहचान पर आधारित है।
- उत्तर चुनते समय कथाकार के स्पष्ट संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व देना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग की पहचान लेखक गढ़ से बाहर की बस्तियों का वर्णन करते हुए बताता है कि वे गढ़ की तुलना में छोटे टीलों पर बनी हैं। ऊँचाई के इसी अंतर के कारण उन्हें नीचा नगर कहा गया है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (A) गढ़ ऊँचे क्षेत्र का नाम है। (B) रईसों की बस्ती पूरब की एक विशिष्ट संपन्न बस्ती है, सभी छोटे टीलों वाली बस्तियों का नाम नहीं। (D) सचिवालय एक भवन के संभावित उपयोग का उल्लेख है, इन बस्तियों की संज्ञा नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है — नीचा नगर

त्वरित सुझाव: गढ़ और छोटे टीलों की सापेक्ष ऊँचाई पर ध्यान दें; कम ऊँचाई से नीचा नगर नाम निकलता है।

7(क). दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए।

त्योहारों पर बाजार की चहल-पहल [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में विषय से जुड़ी अनुभूति, विचार और कल्पना को क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण भाषा में प्रस्तुत किया जाता है। शीर्षक विषय के अनुरूप और अभिव्यक्ति मौलिक होनी चाहिए।
- लगभग 120 शब्दों की सीमा में भूमिका, विषय का विस्तार और सार्थक समापन रखा जाता है। अनावश्यक पुनरावृत्ति से बचकर छोटे, स्पष्ट वाक्य लिखना प्रभाव बढ़ाता है।

चरण 1: लेख का प्रारूप और विचार योजना शीर्षक "त्योहारों पर बाजार की चहल-पहल" रखें। यह रचनात्मक लेख है, इसलिए इसमें पत्र जैसा पता या संबोधन नहीं चाहिए। पहले विषय का संक्षिप्त परिचय दें, फिर बाजार का दृश्य, लोगों की गतिविधियाँ और त्योहार की सामूहिक खुशी को क्रम से विकसित करें। अंतिम वाक्य पूरे लेख को एक सार्थक विचार से जोड़े।

चरण 2: विषयवस्तु और भाषा का चयन रंगीन रोशनी, सजी दुकानें, खरीदारों की भीड़ और छोटे व्यापारियों की खुशी जैसे दृश्य चुनें। दृश्य में ध्वनि और गंध के संकेत भी जोड़ें, जिससे पाठक बाजार को अनुभव कर सके। खरीदारी का वर्णन करते हुए पारिवारिक मेलजोल और सावधानी का विचार स्वाभाविक रूप से आए। लेख में आरंभ से अंत तक एक ही केंद्रीय विषय बना रहे। उदाहरणों और विचारों के बीच स्पष्ट संबंध रखें, ताकि लेख बिखरे हुए कथनों का संग्रह न लगे।

चरण 3: पूर्ण आदर्श लेख **त्योहारों पर बाजार की चहल-पहल**

त्योहार आते ही बाजार जैसे नई पोशाक पहन लेते हैं। दुकानों पर रंगीन झालरें जगमगाती हैं और मिठाइयों की सुगंध राहगीरों को अपनी ओर खींचती है। कहीं बच्चे खिलौनों के लिए मचलते हैं, तो कहीं लोग नए कपड़े चुनने में व्यस्त दिखाई देते हैं। दुकानदारों की पुकार और ग्राहकों की बातचीत से पूरा वातावरण जीवंत हो उठता है। छोटी दुकानों और ठेलों पर भी खूब रौनक रहती है। परिवार मिलकर खरीदारी करते हैं और परिचितों से मिलने पर खुशियाँ बाँटते हैं। इस चहल-पहल में हमारे त्योहारों की सामूहिकता दिखाई देती है। फिर भी उत्साह में अनावश्यक खरीदारी और प्लास्टिक के प्रयोग से बचना चाहिए। स्थानीय कारीगरों का सामान खरीदें, तो उत्सव की खुशी उनके घरों तक भी पहुँच सकती है।

चरण 4: निष्कर्ष ऊपर दिए आदर्श लेख में उपयुक्त शीर्षक, विषय का क्रमबद्ध विस्तार और सार्थक समापन प्रस्तुत है। अभ्यास में इसी योजना के अनुसार अपनी भाषा में लगभग 120 शब्दों का सुसंगत लेख लिखा जा सकता है।

त्वरित सुझाव: लिखने से पहले भूमिका, दो प्रमुख विचार और समापन के संकेत सोच लें; फिर शब्दसीमा के भीतर उन्हीं को अपनी भाषा में जोड़ें।

7(ख). दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए।

अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत का बढ़ता कद [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में विषय से जुड़ी अनुभूति, विचार और कल्पना को क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण भाषा में प्रस्तुत किया जाता है। शीर्षक विषय के अनुरूप और अभिव्यक्ति मौलिक होनी चाहिए।
- लगभग 120 शब्दों की सीमा में भूमिका, विषय का विस्तार और सार्थक समापन रखा जाता है। अनावश्यक पुनरावृत्ति से बचकर छोटे, स्पष्ट वाक्य लिखना प्रभाव बढ़ाता है।

चरण 1: लेख का प्रारूप और विचार योजना शीर्षक "अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत का बढ़ता कद" रखें। यह रचनात्मक लेख है, इसलिए इसमें पत्र जैसा पता या संबोधन नहीं चाहिए। पहले विषय का संक्षिप्त परिचय दें, फिर भारत की उपलब्धियाँ, वैश्विक सहयोग और जिम्मेदार भूमिका को क्रम से विकसित करें। अंतिम वाक्य पूरे लेख को एक सार्थक विचार से जोड़े।

चरण 2: विषयवस्तु और भाषा का चयन विज्ञान, अर्थव्यवस्था, संस्कृति तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को विषय के प्रमुख पक्ष बनाएँ। हर

पक्ष के लिए परिचित और विश्वसनीय उदाहरण चुनें। केवल प्रशंसा करने के स्थान पर यह भी बताएँ कि विश्व में सम्मान के साथ शांति और मानव कल्याण की जिम्मेदारी आती है। लेख में आरंभ से अंत तक एक ही केंद्रीय विषय बना रहे। उदाहरणों और विचारों के बीच स्पष्ट संबंध रखें, ताकि लेख बिखरे हुए कथनों का संग्रह न लगे।

चरण 3: पूर्ण आदर्श लेख **अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत का बढ़ता कद**

आज भारत विश्व मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान बना रहा है। विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान में उसकी उपलब्धियाँ भारतीय प्रतिभा का परिचय देती हैं। सूचना प्रौद्योगिकी और औषधि निर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत की क्षमता को दुनिया स्वीकार करती है। योग और भारतीय संस्कृति ने विभिन्न देशों के लोगों को आपस में जोड़ा है। विदेशों में कार्यरत भारतीय भी अपने परिश्रम से देश का सम्मान बढ़ाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं पर संवाद, शांति और सहयोग का समर्थन भारत की विशेषता है। आपदा के समय सहायता पहुँचाना मानव कल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता दिखाता है। यह बढ़ता कद हमें अधिक जिम्मेदार भी बनाता है। शिक्षा, समानता और वैज्ञानिक सोच को मजबूत करके ही हम वैश्विक सम्मान को स्थायी उपलब्धि में बदल सकते हैं।

चरण 4: निष्कर्ष ऊपर दिए आदर्श लेख में उपयुक्त शीर्षक, विषय का क्रमबद्ध विस्तार और सार्थक समापन प्रस्तुत है। अभ्यास में इसी योजना के अनुसार अपनी भाषा में लगभग 120 शब्दों का सुसंगत लेख लिखा जा सकता है।

त्वरित सुझाव: लिखने से पहले भूमिका, दो प्रमुख विचार और समापन के संकेत सोच लें; फिर शब्दसीमा के भीतर उन्हीं को अपनी भाषा में जोड़ें।

7(ग). दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए।

पकी फसल से लहलहाता खेत [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में विषय को प्रत्यक्ष अनुभव की तरह प्रस्तुत किया जाता है। दृश्य, ध्वनि और भावों का चयन लेख को सजीव बनाता है।
- लगभग 120 शब्दों की सीमा में आरंभ, मुख्य चित्रण और सार्थक अंत रखना चाहिए। भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और विषय के अनुकूल हो।

चरण 1: रूपरेखा और प्रस्तुति इस विषय पर छोटा, सुसंगठित रचनात्मक लेख लिखना है। शीर्षक के बाद सीधे दृश्य से आरंभ करें। सामग्री का क्रम होगा: खेत का दृश्य, किसान का परिश्रम और अन्न के प्रति सम्मान। अनावश्यक भूमिका और असंबद्ध विवरण से बचें। लेख में वर्णन के साथ लेखक की अनुभूति भी व्यक्त होनी चाहिए।

चरण 2: भाषा और विषयवस्तु का चयन वर्णन को प्रभावशाली बनाने के लिए केवल विशेषणों की सूची न दें; दृश्य में होने वाली गतिविधियाँ भी बताएँ। आरंभ से अंत तक घटनाओं और विचारों का संबंध बना रहे। कल्पना का प्रयोग विषय को स्पष्ट करने के लिए करें। अंतिम वाक्य पहले के वर्णन से स्वाभाविक रूप से निकले और पाठक पर एक स्पष्ट प्रभाव छोड़े।

चरण 3: पूर्ण आदर्श लेख **पकी फसल से लहलहाता खेत**

गाँव के बाहर पहुँचते ही पकी फसल से लहलहाता खेत दिखाई दिया। जहाँ तक दृष्टि जाती थी, सुनहरी बालियाँ धूप में चमक रही थीं। हल्की हवा चलती तो लगता, धरती ने सोने की चादर ओढ़ ली हो। बालियों के झुकने में जैसे विनम्रता का संदेश छिपा था। मेड़ पर खड़ा किसान अपनी मेहनत का फल देखकर मुसकरा रहा था। महीनों की सिंचाई, निराई और रखवाली आज रंग लाई थी। पास के पेड़ पर चिड़ियाँ चहक रही थीं और दूर से बच्चों की हँसी सुनाई दे रही थी। यह खेत केवल सुंदर दृश्य नहीं, अनेक परिवारों की आशा था। इसे देखकर समझ आया कि हमारी थाली का हर दाना किसान के श्रम का उपहार है। हमें अन्न का सम्मान करना चाहिए।

चरण 4: निष्कर्ष यह लेख दृश्य के क्रमिक चित्रण से आरंभ होकर मानवीय अनुभूति तक पहुँचता है। दिए गए विषय पर केंद्रित वर्णन और सार्थक समापन इसे रचनात्मक लेख का उपयुक्त उत्तर बनाते हैं।

त्वरित सुझाव: पहले दृश्य की तीन ठोस बातें चुनें, फिर उनसे जुड़ा एक भाव लिखें; लगभग 120 शब्दों में विषय से जुड़े रहकर लेख समाप्त करें।

7(घ). दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए।

नदी में अचानक पानी का बढ़ना [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में विषय को प्रत्यक्ष अनुभव की तरह प्रस्तुत किया जाता है। दृश्य, ध्वनि और भावों का चयन लेख को सजीव बनाता है।
- लगभग 120 शब्दों की सीमा में आरंभ, मुख्य चित्रण और सार्थक अंत रखना चाहिए। भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और विषय के अनुकूल हो।

चरण 1: रूपरेखा और प्रस्तुति इस विषय पर छोटा, सुसंगठित रचनात्मक लेख लिखना है। शीर्षक के बाद सीधे दृश्य से आरंभ करें। सामग्री का क्रम होगा: नदी का बदलता रूप, लोगों की सजगता और संकट में सहयोग। अनावश्यक भूमिका और असंबद्ध विवरण से बचें। लेख में वर्णन के साथ लेखक की अनुभूति भी व्यक्त होनी चाहिए।

चरण 2: भाषा और विषयवस्तु का चयन वर्णन को प्रभावशाली बनाने के लिए केवल विशेषणों की सूची न दें; दृश्य में होने वाली गतिविधियाँ भी बताएँ। आरंभ से अंत तक घटनाओं और विचारों का संबंध बना रहे। कल्पना का प्रयोग विषय को स्पष्ट करने के लिए करें। अंतिम वाक्य पहले के वर्णन से स्वाभाविक रूप से निकले और पाठक पर एक स्पष्ट प्रभाव छोड़े।

चरण 3: पूर्ण आदर्श लेख **नदी में अचानक पानी का बढ़ना**

सुबह नदी का पानी शांत था। बच्चे किनारे खेल रहे थे और कुछ लोग अपने काम में लगे थे। अचानक धारा तेज होने लगी। पानी सीढ़ियाँ डुबोता हुआ ऊपर चढ़ने लगा। देखते ही देखते उसका मटमैला रंग और उठती लहरें सबको डरा गईं। किसी ने आवाज लगाई, “किनारे से हटो!” लोग बच्चों और बुजुर्गों को लेकर ऊँचे स्थान की ओर बढ़े। दुकानदारों ने सामान समेटा और युवकों ने रास्ता दिखाकर सबकी सहायता की। थोड़ी देर में नदी का परिचित तट पानी में छिप गया। सुरक्षित जगह पहुँचकर भी सबकी आँखें उसी ओर लगी थीं। इस घटना ने समझाया कि प्रकृति का शांत रूप पल भर में बदल सकता है। ऐसी स्थिति में घबराहट से अधिक सजगता और आपसी सहयोग काम आते हैं।

चरण 4: निष्कर्ष यह लेख दृश्य के क्रमिक चित्रण से आरंभ होकर मानवीय अनुभूति तक पहुँचता है। दिए गए विषय पर केंद्रित वर्णन और सार्थक समापन इसे रचनात्मक लेख का उपयुक्त उत्तर बनाते हैं।

त्वरित सुझाव: पहले दृश्य की तीन ठोस बातें चुनें, फिर उनसे जुड़ा एक भाव लिखें; लगभग 120 शब्दों में विषय से जुड़े रहकर लेख समाप्त करें।

8(क). किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

कहानी और नाटक में क्या-क्या समानताएँ होती हैं ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कहानी और नाटक दोनों साहित्य की कथात्मक विधाएँ हैं; इनमें घटनाओं और पात्रों के माध्यम से जीवन का चित्रण होता है।
- तुलना में समान तत्त्व बताने चाहिए; मंचन की सुविधा अथवा दृश्य-विधान जैसे भेद इस प्रश्न का मुख्य विषय नहीं हैं।

चरण 1: साझे कथात्मक तत्त्व पहचानना दोनों विधाओं में कथानक, पात्र, चरित्र-चित्रण, संवाद, देशकाल, वातावरण तथा उद्देश्य महत्त्वपूर्ण हैं। घटनाओं का परस्पर संबंध कथा को आगे बढ़ाता है। पात्रों की इच्छाओं और परिस्थितियों के टकराव से संघर्ष उत्पन्न होता है; इसी से पाठक या दर्शक की रुचि बनी रहती है। कहानी में कथावाचक घटनाएँ सुना सकता है और नाटक में वे अभिनय द्वारा सामने आती हैं, किंतु दोनों का मूल आधार कोई मानवीय स्थिति होती है। इसीलिए पात्रों की प्रतिक्रियाएँ और घटनाओं का कारण-परिणाम संबंध दोनों को प्रभावशाली बनाते हैं।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर कहानी और नाटक दोनों में कथानक, पात्र, संवाद, देशकाल, वातावरण और उद्देश्य होते हैं। दोनों जीवन की घटनाओं तथा मानवीय संबंधों को प्रस्तुत करते हैं। पात्रों के संघर्ष से कथा आगे बढ़ती है और चरम बिंदु तक पहुँचती है।

संवाद चरित्रों का स्वभाव प्रकट करते हैं। दोनों में घटनाओं की क्रमबद्धता, विश्वसनीयता तथा पाठक या दर्शक की उत्सुकता बनाए रखना आवश्यक है।

चरण 3: निष्कर्ष इस प्रकार कहानी और नाटक की समानता उनके कथानक, पात्रों, संवादों, संघर्ष और जीवनानुभव की कलात्मक अभिव्यक्ति में है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में केवल तत्त्वों की सूची न दें; संघर्ष तथा संवाद का काम भी एक-एक वाक्य में स्पष्ट करें।

8(ख). किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

रेडियो नाटक और सिनेमा में क्या भिन्नता होती है ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रेडियो श्रव्य माध्यम है; सिनेमा दृश्य और श्रव्य दोनों माध्यमों का उपयोग करता है।
- माध्यम बदलने से परिवेश, पात्रों की गतिविधि तथा भावों को व्यक्त करने की तकनीक भी बदलती है।

चरण 1: अभिव्यक्ति के साधनों की तुलना रेडियो में दृश्य दिखाई नहीं देते, इसलिए संवाद, ध्वनि-प्रभाव, संगीत और मौन श्रोता को स्थिति का बोध कराते हैं। आवाज़ के उतार-चढ़ाव से पात्र का मनोभाव व्यक्त होता है। सिनेमा में चेहरे, हाव-भाव, दृश्य, कैमरा और संपादन भी अर्थ बनाते हैं; इसलिए प्रत्येक घटना को संवाद में बताना आवश्यक नहीं होता। उदाहरण के लिए, किसी पात्र के कमरे में प्रवेश को रेडियो पर पदचाप, दरवाज़े की आवाज़ अथवा प्रसंगानुकूल संवाद से स्पष्ट किया जा सकता है। सिनेमा में उसका प्रवेश सीधे दिखाया जा सकता है। इससे पता चलता है कि एक ही घटना के लिए दोनों माध्यम अलग साधन चुनते हैं।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर रेडियो नाटक केवल सुनाई देता है, जबकि सिनेमा देखा और सुना दोनों जाता है। रेडियो में संवाद, आवाज़, संगीत और ध्वनि-प्रभावों से पात्रों, घटनाओं और वातावरण का बोध कराया जाता है; श्रोता दृश्य की कल्पना करता है। सिनेमा में दृश्य, अभिनय, वेशभूषा, कैमरे और संपादन की सहायता मिलती है। अतः रेडियो में ध्वनि की भूमिका अधिक निर्णायक होती है।

चरण 3: निष्कर्ष मुख्य भिन्नता माध्यम की है: रेडियो नाटक श्रव्य है और सिनेमा दृश्य-श्रव्य; इसी से उनकी प्रस्तुति के साधन अलग होते हैं।

त्वरित सुझाव: पहले श्रव्य और दृश्य-श्रव्य का भेद लिखें, फिर प्रत्येक माध्यम के दो अभिव्यक्ति-साधन देकर तुलना पूरी करें।

8(ग). किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

क्या नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की कोई तकनीक हो सकती है ? इन्हें लिखते समय क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए ?

[3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- अप्रत्याशित विषय पर रचनात्मक लेखन में कल्पना, अनुभव, मौलिक दृष्टि और विचारों की संगति का उपयोग होता है।
- लेखन का कोई एक कठोर सूत्र नहीं होता; विचार-मंथन और रूपरेखा जैसे अभ्यास अभिव्यक्ति को व्यवस्थित बनाने में सहायक हैं।

चरण 1: तकनीक और सावधानियाँ तय करना विषय मिलते ही उससे जुड़े अनुभव, दृश्य और विचार लिखकर सामग्री जुटाई जा सकती है। फिर उपयोगी बिंदु चुनकर आरंभ, विस्तार और अंत का क्रम बनाया जाता है। कल्पना विषय के अनुकूल होनी चाहिए; असंबद्ध बातें, घिसे-पिटे कथन, अनावश्यक विस्तार और भाषा की अशुद्धियाँ प्रभाव घटाती हैं। अंतिम पाठ का पुनर्पाठ आवश्यक है। शीर्षक का अर्थ समझना भी आवश्यक है, क्योंकि उसके किसी एक शब्द को पकड़कर असंबद्ध विवरण लिखने से रचना कमजोर हो जाती है। व्यक्तिगत अनुभव को विषय से जोड़ना उपयोगी है, पर उसकी प्रस्तुति पाठक के लिए समझने योग्य और संगठित होनी चाहिए।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की कोई बँधी-बँधाई तकनीक नहीं होती। फिर भी विचार-मंथन, निजी अनुभवों का स्मरण, कल्पना और रूपरेखा बनाना सहायक हैं। लिखते समय विषय से न भटकें, विचारों में क्रम तथा संगति रखें और मौलिक दृष्टिकोण अपनाएँ। भाषा सहज, स्पष्ट और प्रभावी हो। अनावश्यक विस्तार, रूढ़ कथनों तथा भाषागत अशुद्धियों से बचकर अंत में पुनर्पाठ करें।

चरण 3: निष्कर्ष ऐसे लेखन में तैयार सूत्र की अपेक्षा अभ्यास, स्वतंत्र चिंतन और विषयानुकूल, सुव्यवस्थित अभिव्यक्ति अधिक उपयोगी हैं।

त्वरित सुझाव: पहले विषय से जुड़े पाँच विचार लिखें, फिर केवल संबंधित विचारों को क्रम देकर संक्षिप्त और मौलिक उत्तर बनाएँ।

9(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

पत्रकारिता जगत में 'बीट' से आप क्या समझते हैं ? बीट रिपोर्टिंग के लिए एक पत्रकार को क्या तैयारी करनी पड़ती है ? [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पत्रकारिता में बीट किसी संवाददाता को समाचार संकलन के लिए सौंपा गया निश्चित विषय, क्षेत्र या विभाग है।
- बीट रिपोर्टिंग में नियमित संपर्क, विषय की जानकारी तथा तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक हैं।

चरण 1: उत्तर की विषयवस्तु तय करना प्रश्न के दो पक्ष हैं—बीट का अर्थ और उसके लिए पत्रकार की तैयारी। पहले राजनीति, शिक्षा या अपराध जैसे उदाहरण से निश्चित कार्यक्षेत्र स्पष्ट करें। फिर विषय का अध्ययन, विश्वसनीय सूत्रों का विकास तथा समाचार की सत्यता जाँचने की तैयारी लिखें। बीट मिलने का अर्थ केवल उस विषय की खबरें लिखना नहीं है; संवाददाता को उसमें होने वाले परिवर्तनों पर लगातार ध्यान देना पड़ता है। संपर्क सूत्र सूचना देते हैं, पर पत्रकार उनकी बात को बिना जाँचे प्रकाशित नहीं करता। उत्तर में तैयारी के इन व्यावहारिक पक्षों को अर्थ से जोड़ना चाहिए।

चरण 2: लगभग 80 शब्दों में उत्तर पत्रकारिता में 'बीट' संवाददाता को समाचार संकलन के लिए सौंपा गया निश्चित क्षेत्र या विषय है; जैसे शिक्षा, राजनीति, खेल या अपराध। बीट रिपोर्टिंग के लिए पत्रकार को संबंधित विषय की पृष्ठभूमि, प्रमुख घटनाओं, संस्थाओं, नियमों और कार्यप्रणाली की जानकारी रखनी चाहिए। उसे अधिकारियों, विशेषज्ञों तथा आम लोगों से संपर्क बनाकर विश्वसनीय समाचार-सूत्र विकसित करने होते हैं। नियमित अध्ययन, क्षेत्र में सक्रिय उपस्थिति और सूचनाओं की पुष्टि भी आवश्यक है। निष्पक्ष दृष्टि तथा समाचार-बोध उसे महत्त्वपूर्ण घटनाओं को पहचानने में सहायता देते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष बीट निश्चित समाचार-क्षेत्र है; उसमें प्रभावी रिपोर्टिंग के लिए विषय का ज्ञान, विश्वसनीय संपर्क और तथ्य-जाँच की तैयारी जरूरी है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पहले बीट का अर्थ उदाहरण सहित लिखें, फिर विषय-ज्ञान, संपर्क और सत्यापन की तैयारी स्पष्ट करें।

9(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

'संपादक के नाम पत्र' कॉलम से आप क्या समझते हैं ? समाचार-पत्रों में इसकी क्या उपयोगिता है ? [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- 'संपादक के नाम पत्र' समाचार-पत्र का वह स्तंभ है जिसमें पाठकों के चुने हुए पत्र प्रकाशित होते हैं।
- यह स्तंभ पाठकों की प्रतिक्रिया, जनसमस्याओं और वैकल्पिक दृष्टिकोण को सार्वजनिक मंच देता है।

चरण 1: अर्थ और उपयोगिता का क्रम बनाना प्रश्न किसी समस्या पर वास्तविक पत्र लिखने को नहीं कहता, बल्कि पत्रों के स्तंभ का परिचय और उसका महत्त्व पूछता है। इसलिए पहले बताना है कि इसमें पाठक अपनी प्रतिक्रियाएँ और समस्याएँ प्रस्तुत करते हैं। इसके

बाद जनमत, प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने तथा समाचार-पत्र और पाठक के संबंध की चर्चा करनी है। सभी प्राप्त पत्र प्रकाशित नहीं होते; संपादकीय चयन के बाद उपयुक्त पत्रों को स्थान मिलता है। इस कारण उत्तर में इसे पाठकों की भागीदारी का मंच कहना उचित है। पाठक किसी खबर की त्रुटि भी इंगित कर सकते हैं और उपेक्षित स्थानीय समस्या को व्यापक चर्चा में ला सकते हैं।

चरण 2: लगभग 80 शब्दों में उत्तर 'संपादक के नाम पत्र' समाचार-पत्र का वह स्तंभ है जिसमें पाठकों के चयनित पत्र प्रकाशित किए जाते हैं। इनमें पाठक प्रकाशित समाचारों और विचारों पर प्रतिक्रिया देते हैं तथा सामाजिक समस्याएँ, शिकायतें और सुझाव रखते हैं। यह स्तंभ जनता की आवाज को सार्वजनिक मंच देता है और संबंधित अधिकारियों का ध्यान जनसमस्याओं की ओर खींचता है। इससे जनमत को अभिव्यक्ति, बहस को विविध दृष्टिकोण और समाचार-पत्र को उपयोगी प्रतिक्रिया मिलती है। यह पाठकों और समाचार-पत्र के बीच संवाद स्थापित करके लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाता है।

चरण 3: निष्कर्ष यह स्तंभ पाठकीय अभिव्यक्ति, जनसमस्याओं के प्रकाशन और समाचार-पत्र के साथ जनता के संवाद का उपयोगी माध्यम है।

त्वरित सुझाव: परिभाषा के बाद उपयोगिता को तीन बिंदुओं से याद रखें—पाठकीय प्रतिक्रिया, जनसमस्याओं की आवाज और सार्वजनिक संवाद।

9(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

मीडिया जगत में दृश्य से क्या अभिप्राय है ? टेलीविजन के लिए दृश्य के साथ लेखन करना क्यों आवश्यक है ? उदाहरण सहित लिखिए। [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- टेलीविजन दृश्य और ध्वनि का संयुक्त माध्यम है। दृश्य वह चित्रात्मक सामग्री है जो घटना, स्थान, व्यक्ति अथवा गतिविधि को दर्शक के सामने प्रत्यक्ष प्रस्तुत करती है।
- समाचार का आलेख उपलब्ध दृश्यों से मेल खाए और उन्हें आवश्यक संदर्भ दे। शब्दों का काम चित्र में दिखाई देने वाली हर बात को दोहराना नहीं, बल्कि उसके अर्थ को स्पष्ट करना है।

चरण 1: दृश्य का अर्थ और लेखन की आवश्यकता समझिए कैमरे से प्राप्त चलती तस्वीरें टेलीविजन समाचार का मुख्य आधार होती हैं। यदि पर्दे पर एक घटना दिखाई जाए और वाचक दूसरी घटना का विवरण दे, तो संदेश अस्पष्ट तथा अविश्वसनीय हो जाता है। इसलिए लेखक पहले उपलब्ध दृश्य देखता है और उन्हीं के अनुकूल संक्षिप्त, सहज तथा बोलचाल की भाषा में आलेख लिखता है। दृश्य और शब्द मिलकर दर्शक को पूरी जानकारी देते हैं। आलेख में दृश्य से असंबद्ध विवरण जोड़ने के बजाय घटना का स्थान और उसकी पृष्ठभूमि स्पष्ट करनी चाहिए।

चरण 2: उदाहरण चुनकर लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए मीडिया जगत में दृश्य से अभिप्राय पर्दे पर दिखाई देने वाले घटना, स्थान, व्यक्ति या गतिविधि के चित्रों से है। टेलीविजन दृश्य-श्रव्य माध्यम है; इसलिए उसका लेखन उपलब्ध दृश्यों के अनुरूप होना आवश्यक है। शब्द दृश्य को संदर्भ देते हैं और वह जानकारी बताते हैं जो तस्वीर से स्पष्ट नहीं होती। उदाहरणत: बाढ़ के दृश्य के साथ प्रभावित क्षेत्र, बचाव-कार्य और लोगों की स्थिति बतानी चाहिए। दृश्य और कथन का मेल समाचार को स्पष्ट, प्रभावशाली तथा विश्वसनीय बनाता है।

चरण 3: निष्कर्ष टेलीविजन में दृश्य घटना को दिखाते हैं और उनके अनुरूप लिखे शब्द उसका आवश्यक संदर्भ स्पष्ट करते हैं; दोनों के समन्वय से समाचार संप्रेषित होता है।

त्वरित सुझाव: पहले दृश्य की परिभाषा दें, फिर दृश्य और शब्द के मेल की आवश्यकता समझाएँ और अंत में उसी समाचार का उपयुक्त उदाहरण जोड़ें।

10(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- हरिवंशराय बच्चन की कविता में ढलता दिन समय के निरंतर बीतने और प्रियजनों से मिलने की आकुलता का बोध कराता है।
- पंथी, पक्षियों और अकेले कवि की मन:स्थितियों के माध्यम से कवि जीवन में प्रेम, अपनत्व और लक्ष्य के महत्त्व को व्यक्त करता है।

चरण 1: कविता के उदाहरणों से मूल भाव पहचानिए पंथी दिन ढलने से पहले गंतव्य पर पहुँचना चाहता है। अपने बच्चों के प्रतीक्षा करने का ध्यान पक्षियों के पंखों में चंचलता भर देता है। इसके विपरीत कवि सोचता है कि उसकी प्रतीक्षा कौन कर रहा है; यह प्रश्न उसके कदमों को शिथिल कर देता है। अत: कविता केवल सूर्यास्त का वर्णन नहीं करती, बल्कि समय-बोध और मनुष्य के भीतर के भावों का संबंध भी बताती है। प्रिय का आकर्षण गति देता है और अपनत्व का अभाव उदासी उत्पन्न करता है। दिन के ढलने की आवृत्ति इन बदलते मनोभावों को और तीव्र बनाती है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों का उत्तर लिखिए 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता समय के निरंतर बीतने और प्रियजनों से मिलने की आकुलता को व्यक्त करती है। बच्चों की प्रतीक्षा का ध्यान पक्षियों के पंखों में गति भर देता है, किंतु अपनी प्रतीक्षा करने वाला कोई न होने का विचार कवि को शिथिल करता है। कविता बताती है कि प्रेम, अपनत्व और लक्ष्य जीवन को गति एवं सार्थकता देते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष कविता का प्रतिपाद्य समय के प्रवाह के बीच प्रेम और अपनत्व से मिलने वाली जीवन-प्रेरणा तथा उनके अभाव की एकाकी वेदना है।

त्वरित सुझाव: प्रतिपाद्य लिखते समय पक्षियों की उत्सुकता और कवि की शिथिलता को साथ रखकर प्रेम तथा अपनत्व का केंद्रीय भाव स्पष्ट करें।

10(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि को 'भाषा' के संदर्भ में किस बात का डर था और क्यों ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कुँवर नारायण की कविता कथ्य और भाषा के सहज संबंध का महत्त्व बताती है। सरल बात को अनावश्यक भाषाई चमत्कार से प्रभावी बनाने का प्रयत्न अर्थ को उलझा सकता है।
- कविता में बात को पेंच की तरह कसने का बिंब बताता है कि अभिव्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा जोर देने से बात की सहजता और प्रभाव नष्ट हो सकते हैं।

चरण 1: कवि के डर का कारण समझिए कवि की बात सीधी थी, लेकिन भाषा के फेर में टेढ़ी फँस गई। वह उसे प्रभावशाली बनाने के लिए शब्दों को उलटता-पलटता और बात को कसता जाता है। उसे डर था कि भाषा के अनावश्यक उलटफेर और जोर-जबरदस्ती से मूल बात का अर्थ और प्रभाव नष्ट न हो जाए। अत्यधिक जोर लगाने से पेंच की चूड़ियाँ मर जाने की तरह बात का प्रभाव समाप्त हो जाता है। सहज बात को अनावश्यक कौशल से सजाने का आग्रह ही इस संकट का कारण है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर प्रस्तुत कीजिए कवि को डर था कि भाषा के उलटफेर और जोर-जबरदस्ती से मूल बात का अर्थ तथा प्रभाव नष्ट न हो जाए। सीधी बात भाषा के फेर में उलझ गई थी, फिर भी कवि उसे जबरदस्ती सुलझाने और कसने का प्रयत्न कर रहा था। उसे आशंका थी कि दबाव से अभिव्यक्ति बिगड़ जाएगी। अंतत: अधिक कसने से बात का प्रभाव और सहजता नष्ट हो गए।

चरण 3: निष्कर्ष कवि को बात की चूड़ी मरने और उसके भाषा में बेकार घूमने का डर था। वह बात को सहज करने के बजाय कसता जा रहा था, जिससे उसका मूल अर्थ तथा प्रभाव नष्ट हो सकता था। इसलिए सहज और सटीक भाषा का चयन आवश्यक है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में डर को स्पष्ट नाम दें और उसका कारण बात को जरूरत से ज्यादा कसने वाले पेंच के बिंब से जोड़ें।

10(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

कैमरे में अपाहिज को बंद करने के कारणों का 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर उल्लेख कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कविता में दूरदर्शन के कार्यक्रम द्वारा करुणा को प्रदर्शन की वस्तु बनाने पर व्यंग्य है।
- अपाहिज के दुःख से अधिक कार्यक्रम की रोचकता और दर्शकों की प्रतिक्रिया को महत्त्व दिया जाता है।

चरण 1: कार्यक्रम के उद्देश्य को समझें कार्यक्रम संचालक अपाहिज व्यक्ति को कैमरे के सामने लाकर उसका दुःख दर्शकों को दिखाना चाहता है। उसके प्रश्न सहायता का रास्ता खोजने के बजाय पीड़ा को उभारने और उससे सनसनी पैदा करने पर केंद्रित हैं। इसलिए यहाँ कैमरे में बंद करना उस व्यक्ति को कार्यक्रम की निर्धारित दृष्टि और प्रश्नों में बाँधना भी है। कविता में प्रश्नकर्ता व्यक्ति की विवशता का लाभ उठाता है। वह उसके अनुभव को अपने शब्दों में निर्धारित करके मनचाही प्रतिक्रिया चाहता है। उत्तर में इस बात को रेखांकित करना आवश्यक है कि दुःख का सार्वजनिक प्रदर्शन पीड़ित के सम्मान का विकल्प नहीं हो सकता।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर अपाहिज को कैमरे में बंद करने का उद्देश्य उसकी पीड़ा का प्रदर्शन करके कार्यक्रम को प्रभावशाली और रोचक बनाना है। संचालक उसे रुलाकर दर्शकों की करुणा जगाना चाहता है। वह व्यक्ति की गरिमा और संवेदना की उपेक्षा करता है। सामाजिक उद्देश्य का दावा करने वाला यह कार्यक्रम वास्तव में दुःख को मनोरंजन बनाकर दर्शकों की भावनाओं का दोहन करता है।

चरण 3: निष्कर्ष अपाहिज की पीड़ा को दिखाकर करुणा और रोचकता पैदा करना कार्यक्रम का उद्देश्य है; कविता इसी संवेदनहीन प्रदर्शन पर व्यंग्य करती है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में सामाजिक उद्देश्य के दावे और पीड़ा के व्यावसायिक प्रदर्शन के बीच का विरोध अवश्य स्पष्ट करें।

11(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'बगुलों के पंख' कविता के आधार उस सौन्दर्य का वर्णन कीजिए जिसने कवि के मन को मोह लिया। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कविता में दृश्य बिंब और रंगों का विरोध प्रकृति के सौंदर्य को सजीव बनाते हैं।
- श्याम बादलों के बीच उजले बगुलों की उड़ान कवि को गहराई से आकर्षित करती है।

चरण 1: दृश्य और उसका प्रभाव पहचानें कवि आकाश में छाए काले बादलों की पृष्ठभूमि में उड़ते हुए सफेद बगुलों को देखता है। श्याम और श्वेत रंगों का यह मेल दृश्य को अत्यंत आकर्षक बनाता है। कविता का सौंदर्य केवल पक्षियों के रंग में नहीं, उनकी सामूहिक उड़ान और कवि के मन पर उसके प्रभाव में भी निहित है। श्याम पृष्ठभूमि के कारण उजले पंख और भी उभरते हैं; इसी रंग विरोध से दृश्य का आकर्षण बढ़ता है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर काले बादलों से भरे आकाश में उड़ते सफेद बगुलों की पंक्ति ने कवि का मन मोह लिया। उनके उजले पंखों का सौंदर्य श्याम बादलों के बीच अत्यंत आकर्षक था। इस मनोहारी दृश्य ने कवि के मन को बाँधकर उसे अपनी ओर खींच लिया।

चरण 3: निष्कर्ष श्याम बादलों के बीच सफेद बगुलों की सामूहिक उड़ान का अनुपम सौंदर्य कवि के आकर्षण का कारण है।

त्वरित सुझाव: प्रकृति वर्णन में काले बादल, सफेद पंख और कवि के मन पर प्रभाव, इन तीन बिंदुओं को जोड़ें।

11(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'बादल राग' कविता में कवि बादल को किस रूप में बुलाता है, और क्यों ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कविता में बादल क्रांति, परिवर्तन और नवजीवन का प्रतीक है।
- पीड़ित किसान की आशा और शोषक वर्ग का भय इस प्रतीक के सामाजिक अर्थ को खोलते हैं।

चरण 1: संबोधन का अर्थ समझें कवि बादल को विप्लव का वीर मानता है। बादल की गर्जना और वर्षा परिवर्तन की शक्ति का संकेत करती हैं। जैसे वर्षा सूखी धरती को नया जीवन देती है, वैसे ही क्रांति शोषित जन के जीवन में नई आशा ला सकती है। इसलिए उत्तर को केवल मौसम या खेती तक सीमित नहीं रखना चाहिए। बादल का संबोधन साहस और संघर्ष की भावना व्यक्त करता है; वर्षा का जीवनदायी रूप परिवर्तन की आशा से जुड़ता है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर कवि बादल को विप्लव के वीर और क्रांति के दूत के रूप में बुलाता है। वह शोषण से पीड़ित किसानों को नया जीवन और आशा देने वाला है। उसकी गर्जना शोषकों को डराती है तथा अन्यायपूर्ण व्यवस्था के परिवर्तन का संदेश देती है।

चरण 3: निष्कर्ष बादल शोषितों के उद्धार और अन्याय के विरुद्ध क्रांतिकारी परिवर्तन की शक्ति के रूप में संबोधित है।

त्वरित सुझाव: बादल का प्रतीकात्मक रूप लिखते समय किसान की आशा और शोषक के भय, दोनों को कारण से जोड़ें।

11(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

तुलसीदास ने दरिद्रता की तुलना किससे की है और क्यों ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- तुलसीदास दरिद्रता का चित्रण लोकपीड़ा के रूप में करते हैं।
- रावण से तुलना दरिद्रता की विनाशकारी और असह्य शक्ति को व्यक्त करती है।

चरण 1: तुलना का आशय समझें कवि दरिद्रता को दसानन अर्थात रावण कहता है। जैसे रावण के अत्याचार से लोग त्रस्त थे, वैसे ही गरीबी लोगों का जीवन संकट में डाल देती है। इस तुलना में दरिद्रता के विनाशकारी प्रभाव और उससे छुटकारे की तीव्र इच्छा का संकेत मिलता है। इसे केवल रावण के दस सिरों की शाब्दिक समानता न मानें। कवि की चिंता पूरे समाज की दुर्दशा है। इसलिए तुलना व्यक्तिगत निर्धनता से आगे बढ़कर व्यापक लोकपीड़ा का अर्थ देती है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर तुलसीदास ने दरिद्रता की तुलना रावण से की है। जैसे रावण ने लोगों को अत्याचार से त्रस्त किया था, वैसे ही दरिद्रता लोगों को दुःख और अभाव में डालती है। वह उनके जीवन को कष्टमय बनाकर सुख और आजीविका छीन लेती है।

चरण 3: निष्कर्ष दरिद्रता रावण के समान जनजीवन को पीड़ित और नष्ट करने वाली शक्ति है।

त्वरित सुझाव: तुलना में पहले रावण का नाम दें, फिर दोनों की समानता जनपीड़ा और विनाशकारी प्रभाव के आधार पर समझाएँ।

12(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
भक्तिन की तुलना हनुमान जी से करने के कारणों को स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- चरित्र की तुलना का आधार समान गुण और व्यवहार होते हैं, बाहरी रूप मात्र नहीं।
- भक्तिन की सेवाभावना, निष्ठा और समर्पण हनुमान की स्वामिभक्ति की याद दिलाते हैं।

चरण 1: समान गुणों को स्पष्ट करें हनुमान अपने आराध्य राम के प्रति अटूट निष्ठा और सेवा के लिए जाने जाते हैं। भक्तिन भी महादेवी की सुविधा और सुख का ध्यान रखती है तथा कठिन परिस्थितियों में उनका साथ छोड़ने को तैयार नहीं होती। उसका समर्पण केवल काम करने तक सीमित नहीं, आत्मीय संबंध और संकट में भी साथ निभाने की दृढ़ता में दिखाई देता है। भक्तिन महादेवी के जीवन को अपने जीवन से अलग करके नहीं देखती। वह उनके संकट को अपना संकट समझती है। जेल जाने जैसी स्थिति में भी उनका साथ देने की उसकी इच्छा इस निष्ठा की गहराई बताती है। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि लेखिका की तुलना में श्रद्धा के साथ भक्तिन के व्यक्तित्व की दृढ़ता का मूल्यांकन भी है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर भक्तिन की तुलना हनुमान जी से उसकी अनन्य निष्ठा और सेवाभाव के कारण की गई है। जैसे हनुमान राम के सुख के लिए समर्पित रहते हैं, वैसे ही भक्तिन महादेवी की सुविधा का ध्यान रखती है। वह कठिन समय में भी उनका साथ नहीं छोड़ना चाहती। उसकी आत्मीयता, साहस और अटूट समर्पण उसे सामान्य सेविका से विशिष्ट बना देते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष भक्तिन की अटूट स्वामिभक्ति, निःस्वार्थ सेवा और संकट में साथ निभाने का संकल्प हनुमान से तुलना का आधार है।

त्वरित सुझाव: तुलना लिखते समय भक्तिन और हनुमान के समान गुणों को जोड़े में रखें और भक्तिन के आचरण से उन्हें स्पष्ट करें।

12(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
"काले मेघा पानी दे" पाठ में मेढक मंडली पर लोगों द्वारा सहेजे गए पानी को फेंकने को पानी की निर्मम बरबादी क्यों कहा गया है ?
[3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- सूखे में जल का महत्त्व और लेखक की तर्कशील दृष्टि समझना आवश्यक है।
- उत्तर पाठ के संबंधित प्रसंग पर आधारित हो तथा प्रश्न में माँगे गए कारण या भाव को सीधे स्पष्ट करे।

चरण 1: प्रसंग समझिए वर्षा न होने से भीषण गर्मी और सूखा पड़ा था। पानी कठिनाई से मिलता था, इसलिए लोग उसे बचाकर रखते थे। लेखक इस अभाव को देखकर प्रत्येक बाल्टी के उपयोग को आवश्यक मानता है।

चरण 2: लेखक की आपत्ति पहचानिए इंदर सेना के लड़कों पर पानी डालने से वर्षा होने का कोई प्रत्यक्ष तार्किक संबंध लेखक को नहीं दिखाई देता। उसकी दृष्टि में सहेजा हुआ पानी पीने तथा अन्य आवश्यक कामों के लिए बचना चाहिए। यहाँ लेखक की तत्कालीन प्रतिक्रिया बतानी है; जीजी के त्याग संबंधी तर्क को उसकी आपत्ति के स्थान पर नहीं रखना चाहिए। यहाँ पानी की उपयोगिता और उपलब्धता का अंतर भी समझना चाहिए। जीवन के लिए अनिवार्य वस्तु को अभाव के समय निष्फल बहाना ही लेखक की आपत्ति का मूल है।

चरण 3: मॉडल उत्तर सूखे और भीषण गर्मी के कारण पानी का बहुत अभाव था। लोग कठिनाई से पानी जुटाकर आवश्यक कामों के लिए सहेजते थे। ऐसे में मेढक मंडली पर बाल्टी भर पानी उड़ेलना लेखक को अनुचित लगता था। उसके अनुसार इससे वर्षा होने का कोई तार्किक आधार नहीं था, जबकि जीवन के लिए जरूरी और बड़ी मेहनत से बचाया गया पानी व्यर्थ बह जाता था।

चरण 4: निष्कर्ष पानी की निर्मम बरबादी कहने का आधार जल का अभाव, उसे सहेजने का श्रम और उसके व्यर्थ बहने पर लेखक की तर्कशील आपत्ति है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पहले सूखे और जलाभाव का उल्लेख करें, फिर सहेजे पानी के व्यर्थ बहने को लेखक की दृष्टि से समझाएँ।

12(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

"शिरीष पुष्प केवल भौंरों के पदों का कोमल दबाव सहन कर सकता है, पक्षियों का बिलकुल नहीं" – कथन का भाव 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- शिरीष के फूलों की कोमलता का चित्रण उनके सहन करने योग्य अत्यंत हल्के दबाव से किया गया है।
- उत्तर पाठ के संबंधित प्रसंग पर आधारित हो तथा प्रश्न में माँगे गए कारण या भाव को सीधे स्पष्ट करे।

चरण 1: उपमा का आधार समझिए भौंरे के पाँवों का दबाव बहुत हल्का होता है। लेखक इसी हल्के स्पर्श को आधार बनाकर शिरीष के पुष्पों की नाजुक बनावट और कोमल प्रकृति स्पष्ट करता है।

चरण 2: तुलना का आशय पहचानिए पक्षियों के बैठने का भार भौंरों के पाँवों के दबाव से अधिक होता है। शिरीष के फूल इतने कोमल हैं कि वे यह भार नहीं सह सकते। कथन का केंद्र फूल की कोमलता है। इसे पेड़ की दुर्बलता नहीं कहना चाहिए, क्योंकि पाठ में शिरीष का वृक्ष कठिन गर्मी में भी जीवंत और प्रसन्न दिखाई देता है। इस तुलना में भौंरे और पक्षी फूल की सुंदरता का मूल्यांकन नहीं कर रहे हैं। उनके भार के अंतर से लेखक पाठक को फूल की कोमल बनावट का सहज अनुभव कराता है।

चरण 3: मॉडल उत्तर इस कथन में शिरीष के पुष्पों की अत्यधिक कोमलता और नाजुकता व्यक्त हुई है। वे भौंरों के पाँवों का बहुत हल्का दबाव तो सह सकते हैं, पर पक्षियों के बैठने का अपेक्षाकृत अधिक भार नहीं। लेखक ने इस तुलना से फूलों की सुकुमार प्रकृति उभारी है। कठोर गर्मी में खिलने वाले शिरीष के फूलों का सौंदर्य उनकी इसी कोमलता में निहित है।

चरण 4: निष्कर्ष कथन का भाव शिरीष के फूलों की अतिशय सुकुमारता है; भौंरे और पक्षी के दबाव का अंतर इसे स्पष्ट करता है।

त्वरित सुझाव: फूलों की कोमलता और वृक्ष की सहनशीलता को अलग रखें; यहाँ उत्तर फूल पर पड़ने वाले हल्के और भारी दबाव से बनेगा।

13(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

लुट्टन पहलवान ढोल को ही अपना गुरु क्यों मानता था ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- लुट्टन की कुश्ती में ढोल की लय प्रेरणा और दाँव की दिशा देने वाली शक्ति है।
- उत्तर पाठ के संबंधित प्रसंग पर आधारित हो तथा प्रश्न में माँगे गए कारण या भाव को सीधे स्पष्ट करे।

चरण 1: प्रसंग पहचानिए लुट्टन ने किसी गुरु से विधिवत पहलवानी नहीं सीखी थी। चाँद सिंह से कुश्ती लड़ते समय ढोल की थाप ने उसका साहस बढ़ाया और उसे दाँव लगाने की प्रेरणा दी।

चरण 2: मॉडल उत्तर लुट्टन ने किसी गुरु से पहलवानी नहीं सीखी थी। चाँद सिंह से कुश्ती लड़ते समय ढोल की थाप ने उसे साहस दिया और दाँव लगाने की प्रेरणा दी। वह अपनी विजय का श्रेय ढोल को देता था, इसलिए उसे अपना गुरु मानता था।

चरण 3: प्रसंग का अर्थ गुरु वह होता है जो मार्ग दिखाए और संकट में सही कर्म की प्रेरणा दे। लुट्टन के लिए ढोल ने यही भूमिका निभाई। उत्तर में गुरु मानने का कारण उसकी विजय के अनुभव से जोड़ना चाहिए।

चरण 4: निष्कर्ष ढोल की प्रेरक थाप और विजय में उसकी मार्गदर्शक भूमिका के कारण लुट्टन उसे अपना गुरु मानता था।

त्वरित सुझाव: लुट्टन का उत्तर चाँद सिंह से मुकाबले और ढोल की प्रेरणा से जोड़ें; केवल संगीत पसंद होने का कारण न दें।

13(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

"काले मेघा पानी दे" पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि जीजी पर गांधी का प्रभाव था। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- जीजी के व्यवहार में गांधी के प्रति सम्मान और सामूहिक देशकार्य में योगदान की भावना का प्रमाण पहचानना है।
- उत्तर पाठ के संबंधित प्रसंग पर आधारित हो तथा प्रश्न में माँगे गए कारण या भाव को सीधे स्पष्ट करे।

चरण 1: पाठ का प्रमाण पहचानिए जीजी गांधी के प्रति श्रद्धा रखती थीं। गांधी महाराज का नाम लेकर चंदा माँगने वाले लोगों को वे योगदान देती थीं। यह प्रसंग उनके विचारों पर गांधी के प्रभाव का ठोस प्रमाण है।

चरण 2: मॉडल उत्तर जीजी गांधी के प्रति श्रद्धा रखती थीं। गांधी महाराज के नाम पर चंदा माँगने वाले लोगों को वे सहायता देती थीं। देश के सामूहिक कार्य में योगदान देने की यह भावना दिखाती है कि गांधी का प्रभाव उनकी आस्था और व्यवहार दोनों पर था।

चरण 3: प्रमाण का अर्थ स्पष्ट कीजिए किसी व्यक्ति के प्रभाव को सिद्ध करने के लिए केवल उसकी प्रशंसा लिखना पर्याप्त नहीं होता। जीजी का चंदा देना उस श्रद्धा का व्यावहारिक रूप है। उत्तर में इसी पाठगत घटना को आधार बनाएँ।

चरण 4: निष्कर्ष गांधी के नाम पर चंदा देने और सामूहिक देशकार्य में सहयोग करने का व्यवहार जीजी पर उनके प्रभाव का प्रमाण है।

त्वरित सुझाव: जीजी की सामान्य धार्मिक आस्था के बजाय गांधी के नाम पर चंदा देने वाला विशिष्ट पाठगत प्रमाण लिखें।

13(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

"बाज़ार दर्शन" पाठ में आए 'पर्चेजिंग पावर' से आप क्या समझते हैं ? इसका सकारात्मक उपयोग कैसे किया जा सकता है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- क्रयशक्ति धन से वस्तुएँ खरीदने की क्षमता है; उसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यकताओं की पहचान पर निर्भर है।
- उत्तर पाठ के संबंधित प्रसंग पर आधारित हो तथा प्रश्न में माँगे गए कारण या भाव को सीधे स्पष्ट करे।

चरण 1: अर्थ और उपयोग अलग कीजिए पर्चेजिंग पावर का अर्थ केवल धन दिखाना या अधिक सामान खरीदना नहीं है। यह उपलब्ध धन से वस्तु खरीद सकने की क्षमता है। सकारात्मक उपयोग के लिए जरूरत और आकर्षण के बीच अंतर करना आवश्यक है।

चरण 2: मॉडल उत्तर पर्चेजिंग पावर का अर्थ धन के बल पर वस्तुएँ खरीदने की क्षमता है। इसका सकारात्मक उपयोग अपनी वास्तविक आवश्यकताओं को पहचानकर उपयोगी वस्तुएँ खरीदने में किया जा सकता है। बाजार के आकर्षण में अनावश्यक सामान न खरीदकर धन और संसाधनों का सदुपयोग करना चाहिए।

चरण 3: पाठ से संबंध स्पष्ट कीजिए पाठ बाजार के आकर्षण में फँसकर बेकार वस्तुओं के संग्रह से बचने की प्रेरणा देता है। आवश्यकता की स्पष्ट पहचान व्यक्ति को संयम देती है। इसलिए उत्तर में क्रयशक्ति की परिभाषा के बाद विवेकपूर्ण खरीद का तरीका लिखना जरूरी है।

चरण 4: निष्कर्ष वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार संयमित और उपयोगी खरीद करना क्रयशक्ति का सकारात्मक उपयोग है।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के दोनों हिस्से पूरे करें: पहले क्रयशक्ति का अर्थ, फिर जरूरत के अनुसार खरीद और अनावश्यक आकर्षण से बचाव।